RNI-UPHIN/2009/30721

मंगलवार 17 जून 2025
सुर्योदय प्रातः 05:23 बजे
सूर्यास्त सांय 19:22 बजे

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 संकीर्ण जीवन-दृष्टि और टूटती नैतिक रीढ़

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्षः 16 | अंक : 242 | गाजियाबाद, मंगलवार 17 जून 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

केनरा बैंक Canara Bank
SCAN & PAY
UPI ID: 300012627000246@cnrb
BHIM UPI
Canara ai1 CBDC Paytm Cred PhonePe Google Pay
DIGITAL RUPEE ACCEPTED HERE

हावड़ा लाठीचार्ज: सुप्रीम कोर्ट से 6 पुलिस अधिकारियों को अंतरिम राहत, हाईकोर्ट के आदेश पर रोक

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिला अदालत परिसर में हुए पुलिस लाठीचार्ज मामले में 6 वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को सुप्रीम कोर्ट से फिलहाल अंतरिम राहत मिल गई है। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने कलकत्ता हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी। इन अधिकारियों की याचिका पर संबंधित पक्षों को नोटिस जारी किया है और 6 हफ्तों के भीतर जवाब मांगा है। सुप्रीम कोर्ट ने अगली सुनवाई तक अधिकारियों की कलकत्ता हाईकोर्ट में पेशी पर रोक लगा दी है। हाईकोर्ट ने उन्हें अवमानना का नोटिस जारी कर 25 जून को अदालत में पेश होने का आदेश दिया था। इन छह अधिकारियों में से 4 आईपीएस अधिकारी हैं, जिनमें से एक हावड़ा पुलिस आयुक्त भी हैं।

महाराष्ट्र में वर्षाजनित घटनाओं में 18 लोगों की मौत, 65 घायल

✷ वेबवार्ता. मुंबई ✷। महाराष्ट्र में एक जून से अब तक वर्षाजनित घटनाओं में कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई और करीब 65 लोग घायल हो गए हैं। घायलों को पास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से सोमवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार भारी बारिश के कारण सड़क दुर्घटनाएं, पुल से गिरना, डूबना, बिजली गिरना और आग लगने जैसी विभिन्न घटनाओं में 18 लोगों और छह मवेशियों की मौत हुई है। प्राधिकरण के सूत्रों के मुताबिक पिछले 24 घंटों में मुंबई शहर, मुंबई उपनगर, रत्नागिरी, सिंधुदुर्ग और रायगढ़ जिलों जैसे विभिन्न स्थानों पर बहुत भारी बारिश दर्ज की गयी। पिछले 24 घंटों से महाराष्ट्र में हो रही भारी बारिश के कारण मुंबई और आसपास के अन्य शहरों में निचले इलाकों में भारी जलभराव के साथ-साथ यातायात जाम और उपनगरीय ट्रेन के साथ-साथ मेट्रो रेल सेवाएं बाधित हो रही हैं।

भारत समेत 24 देशों की सेना कर रही हैं शांति का अभ्यास

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। भारत और अमेरिका समेत 24 देशों की सेनाएं एक महत्वपूर्ण बहुराष्ट्रीय शांति स्थापना का सैन्य अभ्यास 'ख़ान क्वेस्ट' कर रही हैं। यह अभ्यास मंगोलिया के फाइव हिल्स ट्रेनिंग एरिया में चल रहा है। अमेरिकी इंडो-पैसिफिक कमांड के साथ साझेदारी में यह अभ्यास शांति स्थापना में सैन्य कौशल को निखारने के लिए 24 देशों की सैन्य टुकड़ियों को एक साथ लाया है। सोमवार को भी इस मल्टीनेशनल संयुक्त सैन्य अभ्यास में भारत व अन्य देशों की सेनाएं महत्वपूर्ण अभ्यास कर रही हैं। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक 'खान क्वेस्ट' सैन्य अभ्यास 28 जून 2025 तक चलेगा। इसका उद्देश्य विभिन्न देशों के बीच सैन्य सहयोग को बढ़ावा देना है। इसके अलावा यह अभ्यास इन 24 देशों को आपस में सीखने की प्रक्रिया के बारे में प्रोत्साहित करता है और बहुराष्ट्रीय समन्वय को मजबूती दे रहा है।

एयर इंडिया ड्रीमलाइनर में फिर आयी तकनीकी खराबी, हांगकांग वापस लौटा

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। अहमदाबाद लंदन एयर इंडिया विमान हादसे के चार दिन बाद हांगकांग से दिल्ली आ रहे एयर इंडिया के एक और बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान में उड़ान भरने के चंद मिनट बाद तकनीकी समस्या का पता लगने पर उसे वापस हांगकांग लौटना पड़ा। हांगकांग से दिल्ली आने वाली एयर इंडिया की उड़ान एआई315 बीती रात 11 बज कर 59 मिनट पर हांगकांग से रवाना हुई थी। रिकार्ड के अनुसार यह उड़ान तीन घंटे नौ मिनट के विलंब से रवाना हुई थी। उड़ान भरने के बाद पायलट को हवा में ही तकनीकी समस्या का संदेह हुआ। इस पर पायलट ने विमान को समुद्र के ऊपर कुछ देर उड़ाया और जब दिक्कत दूर नहीं हुई तो वापस लौटने का फैसला किया।

आतंकवाद के खिलाफ भारत के दृढ़ रुख पर साइप्रस ने जतायी प्रतिबद्धता

✷ वेबवार्ता. निकोसिया ✷

भारत एवं साइप्रस ने अगले पांच साल में अपनी समग्र साझीदारी को रणनीतिक स्वरूप प्रदान करने के इरादे के साथ संयुक्त राष्ट्र में सुधारों को बल देने के साथ ही अंतर्राष्ट्रीय एवं सीमापार आतंकवाद और हिंसक चरमपंथ की कठोर निंदा की तथा आतंकवाद वित्तपोषण नेटवर्क को खत्म करने, सुरक्षित पनाहगाहों एवं आतंकवादी बुनियादी ढांचे को नष्ट करने और आतंकवादियों एवं उन्हें पनाह देने वाले अपराधियों को तेजी से न्याय के कटघरे में लाने का आह्वान किया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की साइप्रस यात्रा के आधिकारिक कार्यक्रम संपन्न होने के साथ ही साइप्रस एवं भारत के बीच व्यापक साझीदारी के कार्यान्वयन पर संयुक्त घोषणा की गयी है। घोषणा पत्र में दस बिन्दुओं में प्रधानमंत्री की इस यात्रा को ऐतिहासिक और स्थायी साझीदारी की दिशा में मील का पत्थर बताया गया। घोषणापत्र में कहा गया कि प्रधानमंत्री मोदी की दो दशकों से अधिक समय में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की साइप्रस की पहली यात्रा एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है और दोनों देशों के बीच गहरी और स्थायी मित्रता की पुष्टि करती है।

यह यात्रा न केवल एक साझा इतिहास का जश्न मनाती है, बल्कि एक दूरदर्शी साझीदारी का भी जश्न मनाती है, जो एक संयुक्त रणनीतिक दृष्टि और आपसी विश्वास और सम्मान में निहित है।

घोषणापत्र के अनुसार दोनों नेताओं ने साइप्रस और भारत के बीच बढ़ते व्यापक सहयोग और गहराई को रेखांकित करते हुए द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर व्यापक चर्चा की। उन्होंने आर्थिक, तकनीकी और लोगों के बीच संबंधों में हाल की प्रगति का स्वागत किया, जो संबंधों की गतिशील और विकसित प्रकृति को दर्शाती है।

अपने मूल्यों, हितों, अंतर्राष्ट्रीय दृष्टिकोण और दृष्टिकोण के बढ़ते संरेखण को स्वीकार करते हुए दोनों पक्षों ने प्रमुख क्षेत्रों में इस साझीदारी को और आगे बढ़ाने के लिए अपना दृढ़ संकल्प व्यक्त किया। साइप्रस और भारत क्षेत्रीय और वैश्विक शांति, समृद्धि और स्थिरता में योगदान देने वाले विश्वसनीय और अपरिहार्य भागीदारों के रूप में अपने सहयोग को गहरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

घोषणापत्र में साझा मूल्यों और वैश्विक प्रतिबद्धताओं के बारे में दोनों नेताओं ने शांति, लोकतंत्र, कानून के शासन, प्रभावी बहुपक्षवाद और सतत विकास के प्रति अपनी साझा प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

उन्होंने संयुक्त राष्ट्र चार्टर और अंतर्राष्ट्रीय कानून पर आधारित नियम-आधारित अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था के लिए अपने समर्थन की पुष्टि की, जिसमें नौवहन की स्वतंत्रता और संप्रभु समुद्री अधिकारों के संबंध में समुद्र के कानून पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (यूएनसीएलओएस) पर विशेष जोर दिया गया। दोनों नेताओं ने सभी राष्ट्रों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के लिए अपने अटूट समर्थन की पुष्टि की।

उन्होंने मध्य पूर्व की स्थिति और यूक्रेन में युद्ध सहित अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर विश्तृत चर्चा की। दोनों नेताओं ने परमाणु आपूर्तिकर्ता समूह में शामिल होने के भारत के मूल्य को मान्यता देते हुए वैश्विक अप्रसार संरचना को बनाए रखने के महत्व पर भी चर्चा की।

ईपीएफओ ने अनधिकृत एजेंटों से बचने की दी सलाह

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने कहा है कि संगठन के पोर्टल पर सभी सेवायें निशुल्क और सुरक्षित हैं और किसी भी अनधिकृत एजेंट से बचा जाना चाहिए।

केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने सोमवार यहां कहा कि अपने सेवाओं और शिकायतों के लिए अंशधारकों को ईपीएफओ के आधिकारिक पोर्टल का उपयोग करना चाहिए। ईपीएफओ ने केवाईसी या सदस्य विवरण में सुधार तथा स्थानांतरण दावें, पेंशन वितरण प्रक्रिया निशुल्क हैं। इसके अलावा ईपीएफओ सेवाओं जैसे पासबुक देखना, केवाईसी अपडेट, दावा प्रश्तुत करना भी निशुल्क है।

मंत्रालय ने कहा है कि कई साइबर कैफे संचालक, फिनटेक कंपनियां ईपीएफओ अंशधारकों से उन सेवाओं के लिए बड़ी रकम वसूल रही हैं। कई मामलों में ये संचालक केवल ईपीएफओ के ऑनलाइन शिकायत पोर्टल का उपयोग कर रहे हैं, जिसे कोई भी सदस्य अपने घर बैठे, निशुल्क कर सकता है। ईपीएफओ से संबंधित सेवाओं के लिए तीसरे पक्ष की कंपनियों या एजेंटों के पास जाने या उनसे जुड़ने से अंशधारकों की वित्तीय सूचना तीसरे पक्ष के सामने आ सकता है। ये बाहरी संस्थाएं ईपीएफओ से अधिकृत नहीं हैं और वे अनावश्यक शुल्क ले सकती हैं या सदस्यों की व्यक्तिगत जानकारी की सुरक्षा से खिलवाड़ कर सकती हैं।

जनगणना की अधिसूचना 'खोदा पहाड़, निकली चुहिया' जैसी, इसमें जातिगत गणना का उल्लेख नहीं: कांग्रेस

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

कांग्रेस ने सोमवार को दावा किया कि जनगणना को लेकर जारी अधिसूचना 'खोदा पहाड़, निकली चुहिया' जैसी है और इसमें जातिगत गणना का कोई उल्लेख नहीं किया गया है।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि 16वीं जनगणना में तेलंगाना मॉडल अपनाते हुए, केवल जातियों की गिनती ही नहीं बल्कि जातिवार सामाजिक और आर्थिक स्थिति से जुड़ी विश्तृत जानकारी भी जुटाई जानी चाहिए। सरकार ने सोमवार को वर्ष 2027 में जातिगत गणना के साथ भारत की 16वीं जनगणना कराने के लिए अधिसूचना जारी की। पिछली बार ऐसी जनगणना वर्ष 2011 में हुई थी।

अधिसूचना में कहा गया है कि लद्दाख जैसे बर्फीले क्षेत्रों में जनगणना एक अक्टूबर 2026 से तथा देश के बाकी हिस्सों में एक मार्च 2027 से की जाएगी। रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''लंबे इंतजार के बाद बहुप्रचारित 16वीं जनगणना की अधिसूचना आखिरकार जारी हो गई है। लेकिन यह एकदम 'खोदा पहाड़, निकली चुहिया' जैसी है क्योंकि इसमें 30 अप्रैल 2025 को पहले से घोषित बातों को ही दोहराया गया है।''

उन्होंने कहा कि असलियत यह है कि कांग्रेस की लगातार मांग और दबाव के चलते ही प्रधानमंत्री को जातिगत गणना के साथ जनगणना कराने के मसले पर झुकना पड़ा। उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री ने इसी मांग को लेकर कांग्रेस नेताओं को 'अर्बन नक्सल' तक कह दिया था। संसद हो या उच्चतम न्यायालय, मोदी सरकार ने जातिगत गणना के साथ जनगणना कराने के विचार को सिरे से खारिज कर दिया था। अब से ठीक 47 दिन पहले, सरकार ने खुद इसकी घोषणा की।'' रमेश के अनुसार, आज की राजपत्र अधिसूचना में जातिगत गणना का कोई उल्लेख नहीं है।

उन्होंने सवाल किया, ''क्या यह फिर वही यू-टर्न है, जिसके लिए प्रधानमंत्री मोदी अपनी पहचान बना चुके हैं? या फिर आगे इसके विवरण सामने आयेंगे?'' रमेश ने जोर देकर कहा, ''कांग्रेस का स्पष्ट मत है कि 16वीं जनगणना में तेलंगाना मॉडल अपनाया जाए।

यानी सिर्फ जातियों की गिनती ही नहीं बल्कि जातिवार सामाजिक और आर्थिक स्थिति से जुड़ी विश्तृत जानकारी भी जुटाई जानी चाहिए।''

बाघ, शेर संरक्षण के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हों सामूहिक प्रयास :यादव

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने बाघ और शेर जैसी सात प्रमुख प्रजातियों और उनके प्राकृतिक आवासों के संरक्षण पर जोर देते हुए सोमवार को कहा कि इसके लिए अंतरराष्ट्रीय शतर पर सामूहिक प्रयास किए जाने चाहिए।

श्री यादव ने यहां इंटरनेशनल बिग कैट एलायंस (आईबीसीए) की पहली बैठक की अध्यक्षता करते हुए यह बात कही। 'बिग कैट' में बाघ, शेर, तेंदुआ, हिम तेंदुआ, चीता, जगुआर और प्यूमा शामिल है। बैठक में आईबीसीए के सभी 9 सदस्य देशों के मंत्रिशतरीय प्रतिनिधिमंडल ने भाग लिया। इन देशों में भूटान, कंबोडिया, इस्वातिनी, गिनी, भारत, लाइबेरिया, सूरीनाम, सोमालिया और कजाकिश्तान शामिल हैं।

श्री यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत वन्यजीव संरक्षण में विश्व में अग्रणी देश के रूप में उभरा है, जिसने पिछले दशक में उल्लेखनीय सफलताएं प्राप्त की हैं। उन्होंने बिग कैट रेंज देशों से आईबीसीए की पहलों और कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से शामिल होने और सहयोग करने का आह्वान किया। उन्होंने बिग कैट की सात प्रमुख प्रजातियों और उनके प्राकृतिक आवासों के संरक्षण तथा सुरक्षा को आगे बढ़ाने के साथ-साथ पारिस्थितिकी भविष्य को सुरक्षित करने और जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों को कम करने में सहायता करने के लिए सामूहिक कार्रवाई के महत्व पर जोर दिया।

बैठक में सर्वसम्मति से श्री यादव को आईबीसीए अध्यक्ष और श्री एस पी यादव को आईबीसीए के महानिदेशक के रूप में भी अनुमोदित किया गया।

भारत सरकार द्वारा बनाया गया, इंटरनेशनल बिग कैट एलायंस (आईबीसीए) 95 रेंज देशों का एक गठबंधन है। इसका उद्देश्य बिग कैट का संरक्षण करना है। आईबीसीए का प्राथमिक उद्देश्य वैश्विक शतर पर बिग कैट के संरक्षण के साझा लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सफल संरक्षण प्रणालियों और विशेषज्ञता को समेकित करते हुए रेंज देशों और अन्य हितधारकों के बीच सहयोग और तालमेल को सुविधाजनक बनाना है।

36 बांग्लादेशी नागरिक पकड़े गए, फोन में मिला प्रतिबंधित ऐप

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

दिल्ली में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों के खिलाफ पुलिस का अभियान जारी है। इसी क्रम में सोमवार को पुलिस को बड़ी सफलता मिली। दिल्ली पुलिस ने उत्तर-पश्चिमी इलाके में 36 बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा है, जिनमें 17 बच्चे शामिल हैं। सभी आरोपी अवैध रूप से रह रहे थे और उनके पास वैध यात्रा दश्तावेज या वीजा नहीं था।

इन पर कार्रवाई को लेकर दिल्ली पुलिस ने सोमवार को प्रेस रिलीज जारी की। पुलिस के मुताबिक, छापेमारी के दौरान अवैध रूप से रहने वाले बांग्लादेशी नागरिकों के पास से 7 स्मार्टफोन जब्त किए गए, जिनमें प्रतिबंधित ऐप इंस्टॉल था। 13 लोगों के पास बांग्लादेश का राष्ट्रीय पहचान पत्र मिला।

दिल्ली पुलिस ने बताया कि कई दिनों की मैनुअल और तकनीकी निगरानी के बाद 13 जून को वजीरपुर इलाके में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिक की जानकारी मिली थी। इस इनपुट पर कार्रवाई करते हुए टीम ने इलाके की घेराबंदी की और बड़े शतर पर अभियान चलाया। गहन तलाशी अभियान के दौरान लगभग 25 फुटपाथ और 32 गलियों की जांच की गई।

ऑपरेशन के दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ा गया। पुलिस ने सख्ती से पूछताछ की तो उसने भारत में अवैध रूप से रहने की बात स्वीकार की और खुद को बांग्लादेशी नागरिक बताया। उसके खुलासे के आधार पर अन्य सदस्यों की पहचान की गई और उन्हें पुलिस ने पकड़ा।

दिल्ली पुलिस के मुताबिक, "गिरफ्तारी के बाद बांग्लादेशी नागरिकों से पूछताछ की गई। उन्होंने खुलासा किया कि वो पहले हरियाणा के मेवात में एक ईंट भट्टे पर काम करते थे। वहां हरियाणा पुलिस की ओर से पकड़े जाने के डर से भाग गए। उस समय से सभी लगातार अपना स्थान बदल रहे थे और स्थानीय आबादी में घुलने-मिलने की कोशिश कर रहे थे। इन लोगों ने किराए पर मकान लेने की भी कोशिश की थी। फिलहाल अवैध रूप से रहने वाले बांग्लादेशी नागरिकों की गिरफ्तारी के बाद दिल्ली पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।"

राहुल गांधी का 'जितनी आबादी, उतना हक' का नारा झूठा, कर्नाटक में दोबारा सर्वे पर भाजपा ने उठाए सवाल

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

कर्नाटक में दोबारा जातिगत सर्वेक्षण के मामले पर विपक्षी भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस पर हमला बोला है। भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने सोमवार को कहा कि किसी को उसके इतिहास से मुक्ति नहीं मिलती है, लेकिन वर्तमान में कांग्रेस की कथनी और करनी वैसी ही है।

इसका ताजा उदाहरण कर्नाटक सरकार है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी कर्नाटक को आइडियल स्टेट बताते रहते हैं, लेकिन कर्नाटक की उनकी सरकार का सर्वे बताता है कि सोशल जस्टिस कांग्रेस के लिए दिखावा है।

भूपेंद्र यादव ने दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि ओबीसी वर्ग को झांसे में रखना कांग्रेस की नीति है, न्याय देना उनका काम नहीं है। देश में ओबीसी समाज के साथ छल करने का काम हमेशा से कांग्रेस ने किया है।

कांग्रेस के मन में कभी सच्चाई होती तो काका कालेलकर कमीशन की रिपोर्ट के बाद कभी दूसरी रिपोर्ट सामने नहीं आई, क्योंकि फिर कोई कमीशन ही नहीं बनाया गया। एक और उदाहरण देते हुए भूपेंद्र यादव ने कहा कि जब देश से कांग्रेस गई, तब मंडल आयोग लागू हुआ।

मंडल आयोग की वैधानिकता को जब सुप्रीम कोर्ट ने स्वीकार किया, तब ओबीसी कमीशन को भी दंतहीन बनाने का काम कांग्रेस ने किया। पहले खुद कांग्रेस के सदस्य कहते थे कि जो ओबीसी कमीशन बनाया गया है, उसमें कोई ताकत नहीं।

उन्होंने कहा, "ओबीसी कमीशन को संवैधानिक दर्जा तब मिला जब कांग्रेस की सरकार गई और नरेंद्र मोदी की सरकार आई।

ओबीसी कमीशन को संवैधानिक आयोग का दर्जा मिला और आर्थिक कल्याणकारी नीतियों के चलते करोड़ों लोग गरीबी से बाहर हुए।" भूपेंद्र यादव ने कहा, "कर्नाटक में कांग्रेस का झूठ उजागर हुआ है। राज्य में कांग्रेस का यह दोबारा सर्वे नहीं है, यह इनका पॉलिटिकल कवर है।

गृह मंत्रालय ने जारी की जनगणना के लिए अधिसूचना

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

सरकार ने देश में आगामी जनगणना कराने के लिए अधिसूचना जारी कर दी है। केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा सोमवार को जारी अधिसूचना में कहा गया है कि जम्मू कश्मीर, उत्तराखंड, लद्दाख और हिमाचल प्रदेश को छोड़कर देश भर में जनगणना की संदर्भ तिथि एक मार्च 2027 होगी जबकि बर्फबारी से प्रभावित जम्मू कश्मीर, उत्तराखंड, लद्दाख और हिमाचल प्रदेश मैं संदर्भ तिथि एक अक्टूबर 2026 रहेगी। इस बार जनगणना में जाति गणना भी की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि गृह मंत्री अमित शाह ने अधिसूचना जारी किये जाने से एक दिन पहले रविवार को केंद्रीय गृह सचिव, महापंजीयक और जनगणना आयुक्त तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आगामी जनगणना की तैयारियों की समीक्षा की थी।

गृह मंत्रालय के अनुसार जनगणना दो चरणों में की जाएगी। पहले चरण यानी घरों की सूची तैयार करने के ऑपरेशन (एचएलओ) में प्रत्येक घर की आवासीय स्थिति, संपत्ति और सुविधाओं का विवरण एकत्र किया जाएगा। इसके बाद, दूसरे चरण यानी जनसंख्या गणना (पीई) में प्रत्येक घर में प्रत्येक व्यक्ति की जनसांख्यिकीय, सामाजिक-आर्थिक, सांस्कृतिक और अन्य जानकारी एकत्र की जाएगी।

मोदी कनाडा के लिए रवाना

✷ वेबवार्ता. निकोसिया ✷

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी साइप्रस की यात्रा पूरी करके आज शाम कनाडा के कालगुरी के लिए रवाना हो गये। श्री मोदी ने लार्नाका अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने के पहले एक्स पर साइप्रस के नेताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर लिखा, "प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने साइप्रस की यादगार यात्रा पूरी की। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडोलिड्स और साइप्रस के लोगों को उनकी असाधारण गर्मजोशी और आतिथ्य के लिए धन्यवाद दिया।"

श्री जायसवाल ने बताया कि प्रधानमंत्री जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए कनाडा जा रहे हैं। आधिकारिक जानकारी के अनुसार श्री मोदी का विमान भारतीय समयानुसार कल सुबह कालगुरी पहुंचेगा।

संक्षिप्त समाचार

पति ने पत्नी को प्रेमी संग होटल में अय्याशी करते पकड़ा, फिर कोर्ट से पुलिस तक पहुंचा मामला

गाजियाबाद, एजेंसी। गाजियाबाद के इंदिरापुरम थाना क्षेत्र में रहने वाले व्यक्ति ने पत्नी को उसके प्रेमी के साथ होटल में आपत्तिजनक हालत में पकड़ लिया। इस पर पत्नी और उसके परिजन द्वारा कथित तौर पर उसे झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी गई। कोर्ट के आदेश पर शनिवार को महिला समेत अन्य लोगों पर केस दर्ज हुआ है। इंदिरापुरम थानाक्षेत्र में रहने वाले व्यक्ति की शादी साढ़े पांच साल पहले हुई थी। उसने कोर्ट में डाली याचिका में बताया कि पत्नी कुछ समय बाद परिवार से अलग रहने लगी। बेटी के जन्म के बाद भी उसका व्यवहार नहीं बदला। इसी बीच उसे पता चला कि वह किसी युवक से बात करती है। बीते दिनों पत्नी कॉलेज से अपनी मार्कशीट लाने का बहाना बनाकर घर से निकली तो पीड़ित ने पत्नी का पीछा किया। आरोप है कि पत्नी बेटी को रिश्तेदार के घर छोड़कर एक कार में बैठ गई। इसके बाद वह कार एक होटल के बाहर रुकी और फिर दोनों अंदर चले गए। वहां पीड़ित पति ने पत्नी को उसके प्रेमी के साथ होटल के एक कमरे में आपत्तिजनक हालत में पकड़ लिया। आरोप है कि पति जब अपनी पत्नी को घर वापस नहीं आने की बात कह वहां से चला तो प्रेमी ने उसे गायब कराने की धमकी दी। आरोप है कि विरोध करने पर पत्नी और उसके प्रेमी ने धमकी दी। बाद में पत्नी और उसके परिजनों ने भी उन्हें परेशान करना शुरू कर दिया। पति द्वारा पुलिस कमिश्नर ऑफिस में शिकायत की गई, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। इसके बाद पीड़ित ने कोर्ट में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर मामले में केस दर्ज कर लिया गया है। पति का आरोप है पत्नी और उसके परिजन उसे झूठे केस में फंसाने का प्रयास कर रहे हैं।

मनाली में जिपलाइन राइड के दौरान टूटी रस्सी, नीचे पत्थरों पर गिरी बच्ची

मनाली, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के मनाली में जिपलाइन राइड के दौरान रस्सी टूटने से महाराष्ट्र के नागपुर की 12 वर्षीय बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई। परिवार से जुड़े एक व्यक्ति ने रविवार को यह बताया कि पिछले सप्ताह हुए इस हादसे के बाद से बच्ची अस्पताल में भर्ती है। परिवार के सूत्रों के अनुसार, त्रिशा बिजवे अपने परिवार के साथ मनाली घूमने गई थी। जिपलाइन राइड के दौरान रस्सी टूट गई, जिससे वह नीचे पत्थरों पर गिर गई। इस हादसे का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें जिपलाइन की रस्सी टूटने के बाद बच्ची चट्टानों पर नीचे गिरती दिखती है। परिवार से जुड़े व्यक्ति ने बताया कि त्रिशा की हड्डियां टूट गई हैं और कुछ दिन पहले उसकी सर्जरी भी हुई है। त्रिशा के पिता प्रफुल्ल बिजवे ने बताया कि फिलहाल उनकी बेटी की हालत स्थिर है। अधिकारियों के अनुसार, त्रिशा जिपलाइन के बीच में थी, इसी दौरान हार्नेस की रस्सी टूट गई। वह करीब 30 फुट की ऊंचाई से चट्टानों से भरी खाई में गिर गई। इससे उसे गंभीर चोटें आईं। लड़की को तुरंत नजदीकी चिकित्सा सुविधा में ले जाया गया, जहां से उसे चंडीगढ़ पीजीआई ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च में रेफर कर दिया गया। बाद में उसे नागपुर के एक निजी अस्पताल में ले जाया गया है। अब वहीं उसका इलाज चल रहा है। मनाली के पुलिस उपाधीक्षक केडी शर्मा ने कहा कि दोनों पक्षों के बीच समझौता हो गया है। कोई औपचारिक केस दर्ज नहीं किया गया है।

केवल किसानों के लिए बना था पुल, विधायक बोले- पर्यटकों के लोड से ढहा ब्रिज

पुणे, एजेंसी। महाराष्ट्र के पुणे के मावल तहसील में इंद्रायणी नदी पर बना लोहे का एक पुल रविवार दोपहर ढह जाने से कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और 32 अन्य घायल हो गये। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बताया कि कुछ लोग नदी में बह गए हैं। एनसीपी विधायक सुनील शेलके के कहना है कि 30 साल पहले यह पुल किसानों के आने जाने के लिए बनाया गया था। हालांकि यह इलाका पर्यटन स्थल के तौर पर विकसित हुआ तो बड़ी संख्या में पर्यटक भी इस पुल पर आने लगे। एनसीपी विधायक ने कहा कि समय-समय पर पुल की रिपेयरिंग होती थी और पर्यटकों को ज्यादा संख्या में इसपर जाने से रोका भी जाता था। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने रविवार को कहा कि इंद्रायणी नदी पर बने लोहे के पुल को जंग लग गया था।

पहलगाम में आतंकी हमले के बाद अब पर्यटन कारोबार धीरे-धीरे सामान्य हो रहा है

पहलगाम, एजेंसी।
दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले में 26 लोगों की मौत के करीब दो महीने बाद पर्यटन कारोबार धीरे-धीरे सामान्य हो रहा है। ईद की छुट्टियों के बाद स्थानीय लोगों और पंजाब से कुछ लोगों ने चरवाहों की घाटी में आना शुरू कर दिया है। ईद के तीसरे दिन घाटी के अन्य भागों से बड़ी संख्या में कश्मीरी पहलगाम पहुंचे, जिससे यहां पर्यटन व्यापार से जुड़े लोग काफी खुशी हैं। यह पर्यटन स्थल श्रीनगर से 100 किलोमीटर दूर है। श्रीनगर के एक युवा नबील भट ने बताया, हम हर साल पहलगाम जाते रहे हैं, भले ही वहां पर्यटकों की भीड़ हो या नहीं। इस साल भी कुछ अलग नहीं था। हालांकि, इस बार हमारा ज्यादा सत्कार किया गया।

नबील भट पहलगाम के स्थानीय लोगों की ओर से पर्यटकों पर दिए जाने वाले विशेष ध्यान और अधिकांश सेवाओं की बेहद कम कीमतों का उल्लेख कर रहे थे। यहां से 6 किलोमीटर दूर बैसरन घाटी में 22 अप्रैल को पर्यटकों पर हुए आतंकवादी हमले के बाद कश्मीर के अधिकांश हिस्सों में पर्यटन गतिविधियां थम गई थीं। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे, जिनमें 25 पर्यटक और एक स्थानीय सेवा प्रदाता शामिल था। श्रीनगर के सिविल लाइंस क्षेत्र की निवासी अलीना जान ने कहा, इस बार सेवा प्रदाता स्थानीय लोगों के प्रति अधिक मित्रवत हैं। पिछले वर्षों में ऐसा नहीं था, जब बड़ी संख्या में पर्यटक यहां आते थे। अधिकांश स्थानीय पर्यटक इस बात से खुश हैं कि उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने पहलगाम में पार्क खोलने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि इससे इस स्थान पर अधिक लोग आकर्षित होंगे। एक टूरिस्ट हट के मालिक मोहम्मद इशाक ने कहा, मौखिक प्रचार से बेहतर कोई विज्ञापन नहीं है। कश्मीर के विभिन्न हिस्सों से लोग ईद के तुरंत बाद यहां आना शुरू हो गए थे, लेकिन संख्या में ज्यादा वृद्धि नहीं हुई, क्योंकि सभी पार्क बंद होने के कारण उनके पास बैठने के लिए कोई जगह नहीं थी। हमें उम्मीद है कि अब इसमें बदलाव आएगा, क्योंकि उपराज्यपाल ने शनिवार को घोषणा की है कि पार्क फिर से खोले जाएंगे।

छत्तीसगढ़ की नोनी-बाबू स्कीम? टॉपर छात्रों को मुख्यमंत्री ने बनाया लखपति

रायपुर, एजेंसी।
छत्तीसगढ़ की बोर्ड परीक्षाओं में अच्छे नंबर लाओ और सरकार की ओर से इनाम पाओ...। जी हां,छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार ने श्रमिकों के उन बच्चों को स्कॉलरशिप दिया है, जो पढ़ाई के क्षेत्र में शानदार प्रदर्शन करते हुए अच्छे नंबर लेकर हैं। छत्तीसगढ़ श्रम विभाग की मुख्यमंत्री नोनी-बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना से श्रमिकों के मेधावी बच्चों को सरकार की ओर से अच्छे नंबर लाने पर प्रोत्साहन दिया गया। छत्तीसगढ़ बोर्ड परीक्षा के कक्षा दसवीं और बारहवीं के टॉप-10 में आए पंजीकृत श्रमिकों के कुल 31 मेधावी बच्चों को सीएम विष्णु देव साय ने दो-दो लाख रुपये का चेक दिया। चेक पाकर बच्चों के चेहरे खेल गए। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल में 10वीं कक्षा के 26 और 12वीं कक्षा के 5 बच्चों सहित कुल 31 श्रमिक बच्चों को 2 लाख रुपये दिए गए। 1 लाख रुपये दोपहिया वाहन और 1 लाख रुपये अच्छा पढ़ने के लिए प्रोत्साहन राशि के रूप में दिया गया। इस योजना के लाभ की पहली शर्त यही है कि बच्चा परीक्षा में कम से कम 75 फीसदी नंबर लेकर आए। बोर्ड परीक्षा पास करने वाले के माता-पिता का रोजगार कार्ड में पंजीयन जरूर रहे। परीक्षा में अच्छे नंबर से पास होने वाले श्रमिकों के बच्चे योजना का लाभ उठा सकते हैं। छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल ने राज्य के 38200 निर्माण श्रमिकों के लिए 19.71 करोड़ रुपये से ज्यादा की सहायता राशि सीधे उनके बैंक खातों में डीबीटी से जारी कर दिया। छत्तीसगढ़ में नोनी का मतलब होता है लड़की और बाबू का मतलब होता है लड़का...। मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना के तहत रजिस्टर्ड निर्माण श्रमिकों के मेधावी बच्चों को आर्थिक मदद देकर उन्हें पढ़ाई में अच्छा करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इस योजना के तहत छात्रों को उनकी शैक्षणिक योग्यता के आधार पर अलग-अलग प्रोत्साहन राशि दी जाती है। यह छत्तीसगढ़ सरकार के भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड की एक महत्वपूर्ण योजना है। इस योजना का उद्देश्य पढ़ाई-लिखाई में अच्छा करने वाले श्रमिकों के बच्चों को आगे बढ़ने के लिए आर्थिक मदद मुहैया कराना है।

सोनम-राजा केस के बीच एक और मर्डर मिस्ट्री, छह महीने बाद मिला कंकाल

बेंगलुरु, एजेंसी।
एक तरफ देश में राजा रघुवंशी के मर्डर केस की चर्चा है, जहां उसकी पत्नी सोनम ने ही उसे मौत के घाट उतार दिया। वहीं, एक मर्डर मिस्ट्री कर्नाटक से सामने आई है। यहां पर पुलिस को छह महीने की तलाश के बाद एक कंकाल मिला है। आरोप है छह साल के रिश्ते बाद लड़की अपने प्रेमी पर शादी के लिए दबाव बना रही थी। इसके बाद उसने लड़की को मारकर दफना दिया। इस मामले में लड़की छह महीने गायब थी। लड़की के घरवालों की शिकायत के बाद पुलिस ने तलाश शुरू किया तब जाकर इस मर्डर मिस्ट्री का खुलासा हुआ।

जानकारी के मुताबिक कर्नाटक के गडग जिले की 26 साल की अंगाडी छह महीने पहले गायब हो गई थी। इससे पहले अंगाडी का 28 साल के सतीश के साथ प्रेम संबंध था। सतीश वहीं के नारायणपुर गांव का रहने वाला है और पेट्रोल पंप पर काम करता है। दोनों के बीच यह संबंध छह साल से था। जब परिवार के लोगों को उनके रिश्तों की भनक लगी तो उन्होंने अंगाडी को एक रिश्तेदार के यहां भेज दिया। 16 दिसंबर 2024 को उसने अपने रिश्तेदार का घर छोड़ दिया। इसके बाद वह कहां गायब हो गई, किसी को कुछ भी पता नहीं चल पाया। 12 जनवरी 2025 को लड़की के परिजनों ने बेटागेरी पुलिस थाने में उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। इसके बाद पुलिस ने जांच शुरू की और मामले का खुलासा किया। इसमें सामने आया कि जिस रात लड़की गायब हुई, सतीश उसे गांव के ही पास एक फॉर्महाउस पर लेकर गया था। पुलिस के मुताबिक वहां लड़की ने सतीश पर शादी के लिए दबाव डाला। इसके बाद दोनों के बीच काफी बहस हुई। इसी दौरान गुस्से में आकर सतीश ने लड़की का गला दबा दिया और नहर के पास दफना दिया। हत्या करने के बाद भी सतीश बिल्कुल सामान्य ढंग से रह रहा था, ताकि किसी को अंदेशा न हो। वह पेट्रोल स्टेशन पर अपनी नौकरी करने जाता था। अंगाडी को लेकर उसने लोगों को कहानी सुनाई कि उसे कस्बे के बाहर छोड़ दिया था। उसने दावा किया वह दोनों की आखिरी मुलाकात थी। हालांकि तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर वह पुलिस के शिकंजे में आ गया। गाडगे के पुलिस अधीक्षक बीएस नामगौड़ा के मुताबिक अंगाडी के फोन की लोकेशन सतीश के बयान से मिल नहीं रही थी। जब तमाम सबूतों की रोशनी में सतीश से कड़ाई से पूछताछ हुई तो उसने सच कबूल कर लिया। इसके बाद वह पुलिस को उस जगह पर लेकर गया जहां उसने अंगाडी को दफनाया था। वहां पर खुदाई के बाद पुलिस ने कंकाल बरामद किया। अब पुलिस फोरेंसिक जांच करा रही ताकि इस बात की पुष्टि हो सके कि यह कंकाल अंगाडी का ही है। पुलिस ने बताया कि सतीश को यकीन था कि अंगाडी की लाश कभी नहीं मिलेगी। शुरू में हमें लगा कि वह किसी के साथ भाग गई। लेकिन न तो उसे ढूंढा जा और कोई डिजिटल एक्टिविटी सामने आ रही थी। इसके बाद हमारा शक गहराया और आखिर हम केस सॉल्व करने में कामयाब रहे।

सुपरटेक के 16 अधूरे प्रोजेक्ट के निर्माण का रास्ता साफ

नोएडा एजेंसी।
नोएडा प्राधिकरण बोर्ड ने सुपरटेक परियोजनाओं में सह निर्माणकर्ता के रूप में एपेक्स के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इससे सुपरटेक की 16 अधूरी परियोजनाओं के निर्माण का रास्ता साफ हो गया। इस निर्णय से 14 हजार से अधिक घर खरीदारों को राहत मिलेगी। एपेक्स ग्रुप ने इन परियोजनाओं को पूरा करने के लिए 700 करोड़ रुपये का प्रस्ताव दिया है।

इस प्रस्ताव में बैंक बकाया और स्थानीय अधिकारियों को बकाया राशि का भुगतान करना शामिल है। एपेक्स ने शुरुआती 500 करोड़ रुपये निवेश करने का वादा किया है। इसका लक्ष्य दो साल के भीतर फ्लैट वितरित करना है। घर खरीदारों को बिना किसी अतिरिक्त बोझ के और विलंबित पैनल्टी के साथ अपना घर मिलेगा। इस संबंध में एक प्रस्ताव सुप्रीम कोर्ट में भेजा गया था। इसकी सुनवाई 13 अगस्त को हो सकती है। नोएडा प्राधिकरण द्वारा सह निर्माणकर्ता की मंजूरी से नोएडा सहित एनसीआर की सुपरटेक परियोजनाओं में खरीदारों को फायदा होगा। नोएडा प्राधिकरण ने सुपरटेक केपटाउन सेक्टर 74,सुपरटेक रोमानो सेक्टर 118 और सुपरटेक इकोसिटी सेक्टर 137 में सह-विकास के लिए अपनी मंजूरी दे दी है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण और यीडा द्वारा इस महीने ही अपने संबंधित बोर्ड मीटिंग में प्रस्तावों पर निर्णय लेने की संभावना है। हजारों घर खरीदार इन 16 प्रोजेक्ट से जुड़े हैं। इनमें नोएडा में नॉर्थ आई,इकोसिटी,रोमानो और केप टाउन,ग्रेटर नोएडा के इकोविलेज 1, इकोविलेज 3, स्पोर्ट्स विलेज, यमुना एक्सप्रेसवे से अपकंट्री, गुरुग्राम से अराविले और हिलटाउन और बेंगलुरु से मीकासा शामिल हैं।

कमल कौर भाभी के सोशल मीडिया पर लाखों फैन, अंतिम संस्कार में पहुंचे सिर्फ तीन लोग

लुधियाना, एजेंसी। लुधियाना की सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर कंचन उर्फ कमल कौर भाभी सोशल मीडिया की चकाचौंध से चमकी थी। इंस्टाग्राम पर कंचन के करीब चार लाख फैन थे और दो यूट्यूब चैनलों पर भी उसके अच्छे खासे सबस्क्राबर थे लेकिन जब दुनिया से जाने का वक्त आया तो कोई नहीं आया। उसके अंतिम संस्कार के वक्त सिर्फ तीन लोग ही मौके पर थे। उसकी मां, बहन और एक भाई ही श्मशान में थे, दूसरा भाई नहीं आया। कोई रिश्तेदार भी अंतिम संस्कार में शामिल नहीं हुआ। यहां तक कि परिजनों ने उसका संस्कार लु??धियाना में नहीं ब?ल्कि ?बठिंडा में ही कर दिया। कंचन लु?धियाना की रहने वाली थी और बठिंडा में उसकी हत्या हुई थी। पोस्टमॉर्टम के बाद परिजन उसके शव को अपने घर लु?धियाना नहीं ले गए और बठिंडा की एक सामाजिक संस्था की मदद से यहीं उसकी चिता को अ?ग्नि दे दी। इंस्टाग्राम क्वीन कमल कौर की दुनिया से गुमनाम विदाई कई सवाल खड़े करती है।

कंचन लुधियाना के ग्यासपुरा इलाके के लक्ष्मण नगर में अपनी मां और बहन के साथ रहती थी। उनके पिता की 7-8 साल पहले बीमारी के कारण मृत्यु हो चुकी थी। उसकी बहन नीतू ने बताया कि कंचन ही घर का पूरा खर्च उठाती थी। मां को उस पर पूरा भरोसा था। कंचन का स्वभाव अच्छा था। वह कम बोलती थी लेकिन मिलने पर सभी से हंसकर बात करती थी। कंचन पिछले सात सालों से सोशल मीडिया पर सक्रिय थी, लेकिन तीन सालों में वह कमल कौर भाभी के नाम से अश्लील और विवादित रील्स बनाकर चर्चा में आई थी। उसके इंस्टाग्राम पर साढ़े तीन लाख से ज्यादा फॉलोअर्स थे। पहले कंचन एक निजी बैंक में नौकरी करती थी, लेकिन कोरोना काल के दौरान उसने नौकरी छोड़ दी और सोशल मीडिया पर ही पूरी तरह से ए?क्टिव हो गई। कंचन महंगे कपड़े पहनने की शौकीन थी और अक्सर बड़े होटलों व सैलून में जाती थी। वह सोशल मीडिया पर अक्सर शॉपिंग और हाई लाइफ स्टाइल से जुड़ी रील्स पोस्ट करती थी। कई बार वह महिलाओं के अंडरगारमेंट्स पर भी कंटेंट बनाकर पोस्ट करती थी। ?डलब मीनिंग पोस्टों को लेकर सात महीने पहले उसे आतंकी अर्श डल्ला से जान से मारने की धमकी भी मिली थी। इसके बावजूद उसने ये काम जारी रखा।

चलती बाइक पर प्यार की सवारी पड़ी महंगी, नोएडा पुलिस ने ठोका मोटा चालान

नोएडा , एजेंसी।
नोएडा के यमुना एक्सप्रेसवे पर कपल को चलती बाइक पर रोमांस करना भारी पड़ गया। नोएडा पुलिस ने बाइक का मोटा चालान ठोक दिया। इस घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल है। बाइक पर बैठे कपल ने न सिर्फ ट्रैफिक नियमों की धज्जियां उड़ाईं, बल्कि अपनी और दूसरों की जान को भी खतरे में डाला।

इस जोड़े की करतूत का वीडियो सोशल मीडिया पर आग की तरह फैल गया। वीडियो में युवक बाइक चलाते हुए और युवती उससे लिपटकर इश्क लड़ाते नजर आए। नोएडा के यमुना एक्सप्रेसवे पर हुई इस घटना ने नेटिजन्स का ध्यान खींचा और ट्रैफिक पुलिस तक बात पहुंच गई। वीडियो वायरल होने के बाद नोएडा ट्रैफिक पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की। जांच में पाया गया कि बाइक चालक ने कई ट्रैफिक नियम तोड़े, जिसमें बिना हेलमेट ड्राइविंग, खतरनाक तरीके से बाइक चलाना और यातायात सुरक्षा को खतरा पैदा करना शामिल था।

पुलिस ने बाइक मालिक के खिलाफ कड़ा कदम उठाते हुए कुल 53,500 रुपये का चालान जारी किया। यह रकम कई उल्लंघनों के लिए तय की गई।

नक्सल प्रभावित दंतेवाड़ा में खेल प्रतिभाओं को लगेंगे पंख, 50 प्ले ग्राउंड बनाएगा सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन

दंतेवाड़ा, एजेंसी।
छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित दंतेवाड़ा जिले में अब खेल प्रतिभाओं को नए पंख मिलेंगे। यह क्षेत्र अब अपने ऊपर लगे नक्सल प्रभावित जिले के टैग को हटाकर स्थानीय प्रशासन की अनोखी पहल से स्पोर्ट्स हब के रूप में अपनी नई पहचान बना रहा है। जिला प्रशासन ने सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन और मान देशी फाउंडेशन की मदद से 'मैदान कप' पहल के तहत 50 खेल के मैदान बनाने का फैसला किया है। अब तक, सक्रिय सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से 20 खेल के मैदान पूरे हो चुके हैं, और शेष 30 अक्टूबर तक तैयार होने की उम्मीद है।

दंतेवाड़ा जिले में नक्सलियों का प्रभाव अब धीरे-धीरे कम हो रहा है, इसलिए प्रशासन ने मान देशी फाउंडेशन और सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन के साथ मिलकर 'मैदान कप' की शुरुआत की है। इसके तहत दंतेवाड़ा में खेल संस्कृति और प्रतिभा को बढ़ावा देने के लिए 50 खेल के मैदान विकसित किए जाएंगे।

दंतेवाड़ा के जिला कलेक्टर कुणाल दुदावत ने कहा, यह प्रोजेक्ट केवल खेल के बुनियादी ढांचे के बारे में नहीं है - यह जीवन के पुनर्निर्माण, युवाओं को सशक्त बनाने और दंतेवाड़ा को एक नया भविष्य देने के बारे में है। उन्होंने कहा कि बस्तर ओलंपिक 2024 से प्रेरित होकर दूरदराज के क्षेत्रों के बच्चों और युवाओं को खेल के माध्यम से मुख्यधारा के अवसरों से जोड़ने के लिए 'मैदान कप' की शुरुआत की गई है। कलेक्टर ने बताया कि पहले चरण में 50 गांवों में खेल के मैदानों का निर्माण किया जाएगा, जिसे बाद के चरणों में पूरे जिले में इसका विस्तार किया जाएगा। स्थानीय सामग्रियों से सरकारी हाई स्कूल, हायर सेकेंडरी स्कूल और पोर्टा-केबिन स्कूलों के परिसरों में खेल के मैदान बनाए जा रहे हैं। जिनमें से प्रत्येक की लागत 4 लाख रुपये से कम है। इनमें रनिंग ट्रैक, शॉटपुट, जेवलिन थ्रो, डिस्कस थ्रो, लॉन्ग जंप, वॉल क्लाइंबिंग आदि जैसी 13 खेल वस्तुओं की सुविधाएं शामिल हैं। स्थानीय बच्चों ने भी चारदीवारी को रंगकर इस जगह को और अधिक जीवंत और व्यक्तिगत बना दिया है। कलेक्टर ने कहा कि इस पहल का मकसद नक्सल प्रभावित और संवेदनशील जिलों की खेल प्रतिभाओं को खेलों के माध्यम से दुनिया से जोड़ना है। इन सुविधाओं के साथ, हम चाहते हैं कि देश की अगली खेल हस्ती बस्तर क्षेत्र से आए। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन स्वयं भी खेल के मैदानों का निर्माण कर सकता था, लेकिन युवाओं और बच्चों को आकर्षित करने के लिए समुदाय और सचिन तेंदुलकर जैसी प्रतिष्ठित हस्तियों को इसमें जोड़ा गया। कलेक्टर ने कहा,''लंबे समय में हम चाहते हैं कि अगला सचिन तेंदुलकर, नीरज चोपड़ा और पीटी उषा बस्तर से आएं।'' अधिकारी ने कहा कि इस पहल के तहत अपने क्षेत्रों में खेल के बेहतरीन मैदान विकसित करने वाली पंचायतों को स्केटिंग पार्क से पुरस्कृत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन एक रेजिडेंशियल स्पोर्ट्स सिटी भी बना रहा है, जहां क्षेत्र के पदक जीतने की क्षमता वाले शीर्ष खिलाड़ियों को स्पेशल ट्रेनिंग मिलेगी। उन्होंने कहा कि इस स्पोर्ट्स सिटी में क्रिकेट, फुटबॉल और हॉकी के मैदान, स्विमिंग पूल और अन्य खेल सुविधाएं होंगी। मान देशी फाउंडेशन की ओर से इस प्रोजेक्ट का नेतृत्व कर रहीं दिव्या सिन्हा ने कहा, कि भारत में पहली बार बच्चों के लिए खेल का मैदान बनाने के लिए सामुदायिक मुहिम चल रही है। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि दंतेवाड़ा और बस्तर को वॉल क्लाइंबिंग और स्केटबोर्ड के लिए जाना जाए - संघर्ष के लिए नहीं। दिव्या ने कहा कि उन्होंने कहा कि करीब 70 फीसदी भारतीय स्कूलों में उचित खेल सुविधाओं का अभाव है, और 500 मिलियन से अधिक भारतीयों ने कभी कोई खेल नहीं खेला है।

ई-रिक्शा चालक को बेरहमी से पीटा, केस दर्ज

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। नगर कोतवाली क्षेत्र में तीन लोगों ने लोडर ई-रिक्शा चालक के साथ मारपीट कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। कल्लूगढ़ी डासना में रहने वाले आजाद का कहना है कि वह जस्सीपुरा में लोडर ई-रिक्शा चलाते हैं। 13 जून की दोपहर करीब ढ़ाई बजे वह ई-रिक्शा में माल भरने के लिए जस्सीपुरा पहुंचे तो पीएसी चौक से पहले जाम लगा हुआ था। वह जाम खुलवाने लगे तो कुकर का काम करने वाले फैजान ने अपने दो साथियों के साथ मिलकर उनके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर तीनों लोगों ने उन्हें बेरहमी से पीटा। हमले में उनकी पसलियों में काफी चोट आई। लोगों के इकट्ठा होने पर आरोपी धमकी देते हुए चले गए। घटना के संबंध में आजाद ने 14 जून को नगर कोतवाली में शिकायत देकर कार्रवाई की गुहार लगाई। सीओ कोतवाली रितेश त्रिपाठी का कहना है कि पीड़ित की शिकायत के आधार पर आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर आगामी कार्रवाई की जा रही है।

ई-रिक्शा में बैठी महिला के पर्स से गहने चोरी

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। इंदिरापुरम थानाक्षेत्र में ई-रिक्शा में बैठी महिला के पर्स से लाखों रुपये के गहने चोरी हो गए। वसुंधरा सेक्टर दो में रहने वाली सीमा 12 जून को सेक्टर तीन से सेक्टर 16 के लिए ई-रिक्शा में बैठी थीं। इसमें दो अन्य महिलाएं भी बैठी थीं। सेक्टर 16 में उतरने के बाद पर्स चेक किया तो एक माला, मंगलसूत्र के मोती और कुंडल गायब थे। इनकी कीमत लाखों में है। रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस फुटेज के आधार पर ई-रिक्शा में बैठी दो अन्य महिलाओं को ट्रेस कर रही है।

किशोरी के शव को चिता से उठाकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मोदीनगर की विजयनगर कॉलोनी निवासी 17 वर्षीय किशोरी की सोमवार को संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजन अंतिम संस्कार कर रहे थे। इस बीच पुलिस पहुंच गई और चिता से शव को उठाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। विजयनगर कॉलोनी निवासी व्यक्ति मजदूरी कर परिवार का लालन पालन करता है। उसकी दो शादियां हुई थीं। दूसरी पत्नी और 17 वर्षीय पुत्री उनके साथ रहती है,जबकि पहली पत्नी का पुत्र मेरठ में रहता है। किशोरी इंटर की छात्रा थी। सोमवार को किशोरी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। कॉलोनी के लोगों ने बताया कि किशोरी का शव कमरे में पंखे से लटका था। दोपहर में परिजन पुलिस को बिना बताए अंतिम संस्कार कर रहे थे। इसी बीच पुलिस श्मशान घाट पहुंच गई और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस को सूचना मिली थी कि किशोरी की हत्या कर शव का चुपचाप अंतिम संस्कार किया जा रहा है। पुलिस ने बताया कि मृतका के गले पर निशान बना हुआ है। सीओ मोदीनगर ज्ञानप्रकाश राय का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट होगा। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई होगी।

जेई ने सरेराह बाल पकड़कर पत्नी को पीटा

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मोदीनगर के भूपेंद्रपुरी कॉलोनी में सरेराह सिंचाई विभाग के जेई ने रविवार शाम पत्नी की पिटाई कर दी। पति-पत्नी के बीच कोर्ट में मुकदमा चल रहा है। बाल पकड़कर मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा। हालांकि, हिन्दुस्तान वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। भूपेंद्रपुरी कॉलोनी निवासी महिला का पति से लंबे समय से विवाद चल रहा है। महिला दो बच्चों के साथ अलग रहती है। महिला ने बताया कि वह चौका बर्तन कर बच्चों को पाल रही है। आरोप है कि जिस मकान में वह रहती है। पति ने उस पर ताला लगा दिया। जब महिला चाबी लेने गई तो उसके साथ मारपीट की गई। आरोप है कि पति ने सड़क पर एक दुकान पर बाल पकड़कर बेरहमी से पिटाई कर दी। महिला को इतना पीटा गया कि वह बेहोश गई। आसपास के लोगों ने महिला को बचाया। इस दौरान किसी ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया, जिस पर लोग पति के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। महिला ने सोमवार को मोदीनगर थाने में तहरीर दी है। पुलिस ने महिला को मेडिकल परीक्षण कराया है। सीओ का कहना है कि वीडियो संज्ञान में आया है। तहरीर के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

शेयर बाजार के नाम पर साइबर ठगों ने की कारोबारी से 35 लाख की ठगी, साढ़े तीन लाख रुपये फ्रीज

✷ एनसीआर टुडे. नोएडा ✷। शेयर बाजार के नाम पर एक बड़ी साइबर ठगी का मामला सामने आया है, जिसमें सेक्टर-49 निवासी कारोबारी प्रशांत चौबे को 35 लाख रुपये की चपत लगी है। ठगों ने उन्हें आईपीओ (इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग) में निवेश के नाम पर 100 प्रतिशत मुनाफे का लालच देकर ठगा। इस सिलसिले में पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है और अब तक करीब साढ़े तीन लाख रुपये की रकम फ्रीज की जा चुकी है। पीड़ित कारोबारी को सबसे पहले वाट्सएप पर एक ग्रुप में जोड़ा गया। इस ग्रुप का एडमिन खुद को आईपीओ विशेषज्ञ बताते हुए निवेश पर दोगुना मुनाफे का दावा कर रहा था। शुरुआत में कारोबारी ने शक के चलते थोड़ी राशि निवेश की, जिस पर उन्हें लाभ भी मिला। इससे उनका विश्वास पक्का हो गया और उन्होंने ठगों द्वारा सुझाए गए एक विशेष ऐप को अपने फोन में डाउनलोड कर लिया।

ड्यूटी के दौरान रामपुर में तैनात दरोगा को हार्ट अटैक अस्पताल में तोड़ा दम

✷ एनसीआर टुडे. अफजलगढ़ ✷

थाना क्षेत्र के गांव नाबका निवासी जिला रामपुर में तैनात 57 वर्षीय दरोगा ह्रदेश कुमार शर्मा का हार्ट अटैक से मौत हो गई।

राजकीय सम्मान के साथ उनके शव को सोमवार को उनके गांव भेजा गया। एसपी रामपुर समेत अन्य लोगों ने परिजनों को सांत्वना दी। जनपद रामपुर में तैनात दरोगा ह्रदेश कुमार शर्मा की हार्ट अटैक से मौत हो गई। वह 57 साल के थे।

पोस्टमार्टम के बाद दरोगा के शव को पुलिस लाइन में लाकर राजकीय सम्मान के साथ एसपी विद्या सागर मिश्र व अन्य पुलिस अधिकारियों ने सलामी दी। सोमवार को थाना क्षेत्र के गांव नाबका निवासी आकाश

शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि उनके पिता ह्रदेश कुमार शर्मा जनपद रामपुर पुलिस लाइन में दरोगा के पद पर कार्यरत थे।

रविवार की देर शाम अचानक उनके पिता ह्रदेश कुमार शर्मा की अचानक तबियत बिगड़ी उन्हें निजी अस्पताल में लाया गया था, ।जहां डॉक्टर ने उन्हें देखते ही मृत घोषित कर दिया था। ह्रदेश कुमार शर्मा साल 1986 में बरेली से पुलिस विभाग में सिपाही के पद पर भर्ती हुए थे।

फिर वह कई जनपदों में कार्य करने के बाद उपनिरीक्षक बने थे। रामपुर जनपद में आए थे। रामपुर में उनकी तैनाती पुलिस लाइन रामपुर में हुई थी। मृतक के परिवार में पत्नी, दो बेटियां और दो बेटा है। सोमवार को दरोगा ह्रदेश कुमार शर्मा का शव गांव नाबका में पहुंचने पर ग्रामीणों का तांता लग गया। मृतक का देर शाम गांव नाबका में स्थित बनेली नदी के किनारे अंतिम संस्कार कर दिया गया है।

गौरीकुंड क्षेत्र में हेलीकॉप्टर क्रैश होने पर वरिष्ठ अधिवक्ता की पत्नी व नातिन मौत

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

नगीना की रहने वाली नानी और नातिन उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग के गौरीकुंड क्षेत्र में हुए हेलीकॉप्टर क्रैश की शिकार हो गईं। इस हादसे में दोनों की जान चली गई है।

रविवार तड़के हेलीकॉप्टर सात यात्रियों को लेकर केदारनाथ धाम से गुप्तकाशी जा रहा था, तभी खराब मौसम के कारण गौरीकुंड के पास हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया। वहीं, परिवार में कोहराम मचा हुआ है। परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले के रहने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता धर्मपाल सिंह पत्नी विनोद देवी (66), पोते ईशान और बिजनौर में ही रहने वाले नाती गौरांश और नातिन तुष्टि के साथ 13 जून को केदारनाथ यात्रा पर गए थे।

नगीना से एक साथ कार से गुप्तकाशी पहुंचे। वहां से फिर सभी लोग हेलीकॉप्टर से केदारनाथ धाम के लिए पहुंचे। सभी को 14 जून की शाम को दर्शन के बाद वापस हेलीकॉप्टर से गुप्तकाशी लौटना था।

प्राप्त के अनुसार जब वह शनिवार शाम को हेलीपैड पर पहुंचे तो यात्रियों को दो ग्रुपों में बांट दिया गया। इस पर उन्होंने परिवार को एक साथ रहने के लिए कहा, जिस पर कंपनी वालों ने नियम का हवाला दिया।

दो ग्रुपों में बांट दिया। फिर उसके बाद हेलीकॉप्टर रवाना हो गया। एक हेलीकॉप्टर में धर्मपाल, उनका पोता ईशान और नाती गौरांश के अलावा अन्य यात्री थे। दूसरे हेलीकॉप्टर में उनकी पत्नी विनोद देवी और नातिन तुष्टि और अन्य यात्री थे।

उनका हेलीकॉप्टर गुप्तकाशी पहुंचा, जबकि दूसरा हेलीकॉप्टर काफी देर तक नहीं आया। जब हेलीकॉप्टर नीचे नहीं आया तो उसकी तलाश शुरू हुई। कुछ घंटे बाद पता चला कि गौरीकुंड के पास हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया और सातों लोगों की मौत हो गई।

जैसे ही इसकी जानकारी बिजनौर स्थित घर पर हुई तो मानो कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

चिनतन शिविर के लिए किसान यूनियन का जत्था हरिद्वार में रवाना

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

गत वषों की भाति इस वषै भी हरिदार मे तीन दिवसीय लगने वाले भारतीय

किसान यूनियन के राष्टीय चिंतन शिविर मे नहटौर ब्लाक से जिला सचिव चौधरी जगत सिंह डबास, जिला उपाध्यक्ष चौधरी सुजीव कुमार की अगुवाई सैकडों किसान अपने अपने वाहनो से शिविर मे रवाना हुए।

जिन्हे उपरोक्त दोनो ने हरि झण्डी दिखाकर रवाना किया। आपको बता दे कि बाबा महेन्दर सिंह टिकैत ने किसानो की मिटिंग के लिये हरिदार मे लाल कोठी ओर स्नान करने के लिये वी आई पी घाट खुलवाने के लिये सरकार से मसक्कत की थी।

तभी से लगातार हर साल जून की 16, 17, 18 को तीन दिवसीय शिविर लगता चला आ रहा है। देश के कोने कोने से किसान वहा पहुचते है जिनके खाने पीने की जिम्मेदारी पास के जिले बिजनोर मुजफ्फरनगर हरिदार, मेरठ आदि वहा पर भण्डारा चलाते है जिसमे सभी का सहयोग रहता है। शिविर मे जाने वालो मे ब्लाक महासचिव अशोक सौनी, तहसील महासचिव शीशपाल सिंह. नरेन्दर सैनी, हेमेन्दर राठी, शिवनाथ सिंह, सुमित कुमार, अरुण चौधरी, बृजपाल सिंह, अरनव चौधरी, अकिंत कुमार, आदि किसान अपने अपने वाहनो से रवाना हुए।

अहमदाबाद एयर इंडिया विमान हादसे पर अफजलगढ़ में शोक की लहर

✷ एनसीआर टुडे. अफजलगढ़ ✷

अहमदाबाद से लंदन जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट भयावह हादसे का शिकार हो गई, जिसमें 241 यात्रियों की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे में केवल एक व्यक्ति जीवित बचा। विमान का पिछला हिस्सा एक मेडिकल कॉलेज हॉस्टल से टकरा गया, जिससे कई छात्र भी इसकी चपेट में आ गए। मृतकों में भारत, ब्रिटेन, कनाडा और पुर्तगाल के नागरिक शामिल थे।

गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री भी इस फ्लाइट में सवार थे, जिनका दुखद निधन हो गया। हादसे की खबर मिलते ही पूरे देश में शोक की लहर दौड़ गई। सरकार और संबंधित एजेंसियों ने जांच के आदेश दे दिए हैं।

चश्मदीदों के अनुसार, हादसा अत्यंत भयावह था और क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। इस दुखद हादसे पर नेशनल परिवार एकता संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष शाहवेज अहमद, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष मौहम्मद कफील, पूर्व विधायक शेख़ सुलेमान, चेयरपर्सन पति जावेद विकार, पूर्व चेयरपर्सन पति शेख इरशाद, पूर्व चेयरमैन नफीस कुरेशी, एडवोकेट सलीम अंसारी, ज़िला अध्यक्ष नदीम इदरीसी, उपाध्यक्ष अब्दुल कयूम, जिला सलाहकार अब्दुल करीम, जिला सचिव शौकीन, नगर अध्यक्ष मौलाना दिलशाद, जिला अध्यक्ष रिजवान, जिला अध्यक्ष अली जान, जिला महासचिव सुमीर अहमद उर्फ बुला, और जिला महासचिव नज़ाकत कुरैशी ने गहरा दुख व्यक्त किया।

सभी ने एक स्वर में कहा कि यह हादसा केवल एक विमान दुर्घटना नहीं, बल्कि पूरे

देश के लिए एक अपूरणीय क्षति है। संगठन के पदाधिकारियों ने ईश्वर से मृतकों की आत्मा की शांति और शोक संतप्त परिजनों को धैर्य प्रदान करने की प्रार्थना की।

साथ ही, विमानन क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था की समुचित समीक्षा और सुधार की मांग की गई, ताकि भविष्य में ऐसे हादसे दोहराए न जाएं।

सड़क, स्टेडियम और सोसायटियों में मिली लापरवाही, अवर अभियंता और स्वास्थ्य निरीक्षक का वेतन रोकने के निर्देश

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

नोएडा प्राधिकरण के सीईओ ने सोमवार को शहर के अलग-अलग स्थानों पर औचक निरीक्षण किया और इस दौरान उन्होंने सड़कों से लेकर नोएडा स्टेडियम और अन्य सेक्टर में पाई गई कमियों पर अवर अभियंता और स्वास्थ्य निरीक्षक के कार्यों में लापरवाही को देखते हुए उनका एक महीने का वेतन रोकने के निर्देश दिए।

इसके अलावा काम में लापरवाही करने वाली कंपनी पर 5 लाख का जुर्माना भी लगाया। नोएडा प्राधिकरण के सीईओ लोकेश एम ने सोमवार को शहर के प्रमुख क्षेत्रों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सेक्टर-136, 137, नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे और सेक्टर-21ए स्थित नोएडा स्टेडियम का दौरा कर साफ-सफाई, निर्माण कार्यों और अनुरक्षण की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण की शुरुआत सेक्टर-137 के टी-प्वाइंट से हुई, जहां पहले दिए गए सौंदर्यीकरण एवं ट्रैफिक सुधार के निर्देशों के बावजूद कार्य मानकों के अनुरूप नहीं पाए गए।

सीईओ ने यहां घिसी हुई पेवर ग्रास टाइल्स और अन्य घटिया निर्माण कार्यों पर नाराजगी जताई तथा संबंधित अवर अभियंता का एक माह का वेतन काटने के आदेश दिए। साथ ही उन्होंने एनजीटी एवं शासन के आदेशों के अनुसार ही टाइल्स लगाने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त, टी-प्वाइंट पर भारी मात्रा में कूड़ा एकत्र मिला और सेक्टर-136 व 137 में कोई सफाई कर्मचारी उपस्थित नहीं पाया गया। इस लापरवाही पर संबंधित स्वास्थ्य निरीक्षक के वेतन में एक माह की कटौती के निर्देश दिए गए।

अपने अगले चरण के निरीक्षण में जलभराव और आने वाले समय में होने वाली ड्रेनेज की समस्याओं को लेकर उन्होंने पाया कि विभिन्न सोसायटियों का सीवरेज और बिना ट्रीटमेंट का जल सीधे नालों में बहाया जा रहा है।

इस पर सीईओ ने संबंधित सोसाइटियों को नोटिस जारी कर आवश्यक कार्रवाई करने को कहा। लोकेश एम ने निरीक्षण के दौरान फ्लाईओवर के पास सर्विस रोड पर अवांछित निर्माण सामग्री पाई, जिसे तत्काल हटवाने को कहा गया।

डीएम के निर्देश पर विदुर कुटी बिजनौर में हुआ सामूहिक योग अभ्यास कार्यक्रम

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

जिलाधिकारी जसजीत कौर के निर्देशों के अनुपालन में आज पूर्वाहन प्रातः 6:00 बजे योग सप्ताह के दूसरे दिन आयुष विभाग एवं जिला प्रशासन द्वारा 'एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग' थीम के अंतर्गत विदुर कुटी योग हाल विदुर सेवा आश्रम औषधालय में सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर योग प्रोटोकॉल के अंतर्गत ताड़ासन, कटी चक्रासन, प्राणायाम व अन्य योग क्रियाओं से 210 लोगों को लाभान्वित किया। साथ ही सम्यक स्वास्थ्य संस्था के योग प्रशिक्षकों ने प्रकृति के अनुसार योग व षट् कर्म के बारे में जानकारी दी।

डॉ विमल कुमार ने योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए प्रतिदिन योगाभ्यास एवं ध्यान को शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य का मंत्र बताया।

कार्यक्रम का संचालन प्रशांत महर्षि व तिलक राम ने किया।, कार्यक्रम का समापन विदुर कुटी दारानगर गंज प्रांगण में वृक्षारोपण करके किया गया। संपूर्ण योग कार्यक्रम डॉ राकेश कुमार क्षेत्रीय आयुर्वेद एवं यूनानी अधिकारी, डॉ बीएन द्विवेदी, डॉ क्षितिज, डॉ सीमा तथा डॉक्टर तैयब अमीर की देखरेख में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में योगेंद्र पाल, लोकेंद्र, अर्जुन, अमित, नवीन, प्रिंस, हिमांशु, शुभम व ग्राम प्रधान का सहयोग प्राप्त हुआ। उन्होंने बताया कि कल 17 जून 2025 को सामूहिक योगाभ्यास अमृत सरोवर अम्हेड़ा में प्रातः 6:00 बजे से किया जाएगा।

एक करोड़ की स्मैक के साथ तस्कर गिरफ्तार

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

इंदिरापुरम थाना पुलिस ने स्मैक की तस्करी के आरोप में रविवार रात एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी से 685 ग्राम स्मैक, इसका वजन करने के लिए तराजू और तस्करी में प्रयुक्त इग्निस कार बरामद की है।

नार्कोटिक्स ब्यूरो के मुताबिक बरामद स्मैक की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब एक करोड़ रुपये है। वसुंधरा सेक्टर एक चौराहे पर पुलिस टीम चेकिंग कर रही थी।

इसी दौरान हिंडन बैराज की ओर से इग्निस कार आई, जिसे पुलिसकर्मियों ने रुकने का इशारा किया। पुलिस को देख कार रुकी और चालक इसे मोड़ने का प्रयास करने लगा। पुलिसकर्मियों ने दौड़कर चालक को दबोच लिया और बाहर निकालकर तलाशी ली।

आरोपी के पास से करीब 10 हजार रुपये मिले, जबकि कार से एक पॉलिथीन में रखी 685 ग्राम स्मैक और इसका वजन करने वाली तराजू भी मिली। आरोपी की पहचान दिल्ली के नंदनगरी निवासी सचिन पुत्र रामअवतार के रूप में हुई। एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि आरोपी दिल्ली के नंदनगरी में ही रहने वाली पिंकी नाम की महिला से स्मैक लेता था और इसकी पुड़िया बनाकर 500 से 1000 हजार रुपये में बेचता था।

स्मैक और तराजू कार के ग्लव बॉक्स में दश्तावेजों के बीच छिपाकर रखता था। हर्ष फायरिंग में जा चुका है जेल एसीपी ने बताया कि आरोपी 12वीं पास है और पूर्व में निजी कंपनी में नौकरी करता था। काम छूटने के बाद वह स्मैक की तस्करी में लिप्त हो गया। बरामद कार भी आरोपी की है।

सीओ के मुताबिक आरोपी ने कार स्मैक की तस्करी से मिले पैसों से ही खरीदी है। आरोपी को पूर्व में दिल्ली पुलिस हर्ष फायरिंग के मामले में गिरफ्तार कर चुकी है। बरामद स्मैक की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब एक करोड़ रुपये बताई गई है। आरोपी स्मैक को खरीदने के बाद उसे दो गुने दाम पर बेचता था। पुलिस पिंकी की तलाश में जुट गई है।

मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के तहत

प्रदेश में 11,690 आश्रित परिवारों को 561.86 करोड़ सहायता राशि का वितरण

बिजनौर के 180 लाभार्थियों को रूपए 793 लाख की धनराशि का वितरण : डीएम

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज अम्बेडकरनगर से किसानों का कल्याण-उत्तर प्रदेश की पहचान मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के अंतर्गत आज प्रदेश में 11,690 आश्रित परिवारों को 561.86 करोड़ सहायता राशि का वितरण किया गया।

मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा इस अवसर पर सर्वांगीण विकास के लिए विभिन्न जन-कल्याणकारी परियोजनाओं के लोकार्पण/ शिलान्यास, नियुक्ति-पत्र एवं हजारों आश्रित परिवारों को सहायता राशि के वितरण के लिए अकबरपुर में आयोजित कार्यक्रम का लाइव प्रसारण कार्यक्रम उपस्थित सभी विभागीय अधिकारियों एवं लाभार्थियों द्वारा देखा गया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी श्रीमती जसजीत कौर की अध्यक्षता में आज अपराह्न 03:20 बजे महात्मा

विदुर सभागार कलेक्ट्रेट में सहायता धनराशि वितरण समारोह आयोजित कार्यक्रम में जनपद के मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के अन्तर्गत स्वीकृत कुल 162 दावों के सापेक्ष 180 लाभार्थियों को रूपए 793 लाख की धनराशि का वितरण डी.बी.टी. के माध्यम से उनके बैंक खातों में किया गया है। उन्होंने कहा कि यह योजना किसानों के लिए बहुत लाभदायक सिद्ध हुई है और उनकी आर्थिक आय में बेहतर सुधार हुआ है।

उन्होंने बताया कि शासन द्वारा उक्त योजना को जन सामान्य को लाभान्वित करने के लिए और अधिक आसान बनाया गया है। उन्होंने बताया कि उक्त कार्यक्रम सभी तहसील मुख्यालयों पर भी आयोजित किया जा रहा है।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व वान्या सिंह सहित उपजिलाधिकारी संबंधित अधिकारी लाभार्थी मौजूद थे।

सहकारिता का सार्थक संदेश, गन्ना किसानों को चीनी की मिठास

✷ एनसीआर टुडे. नजीबाबाद ✷

राज्य सूचना आयुक्त डॉ दिलीप अग्निहोत्री ने सहकारी किसान चीनी

मिल नजीबाबाद के कीर्तिमानों को सराहनीय बताया।

उन्होंने कहा कि इससे किसानों को भी लाभ मिल रहा है। राज्य सूचना आयुक्त ने सहकारी किसान चीनी मिल के अतिथि गृह में अधिकारियों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में सहकारी चीनी मिलों में नजीबाबाद चीनी मिल की रिकवरी पहले स्थान है।

इसके पहले भी इसे देश की सर्वोत्तम सहकारी चीनी मिल का अवॉर्ड मिल था। राज्य सूचना आयुक्त ने कहा कि कुछ महीने पहले सरकार ने गन्ने का एफआरपी उल्लेखनीय वृद्धि की। प्रदेश में अब गन्ना बीज की आधुनिक और वैज्ञानिक खेती को बढ़ावा मिल रहा है।

उन्होंने बताया कि बीज नर्सरियों की संख्या बढ़कर दो गुनी हो गई है। चीनी मिलों के खेतों के बेहतर उपयोग से यह संभव हुआ। प्रदेश में रिकॉर्ड चार करोड़ से अधिक करोड़ सिंगल बड गन्ना बीज वितरित किए गए हैं। यूपी गन्ना उत्पादन में देश का अग्रणी राज्य बना हुआ है।

NCR की 7 सड़कें होंगी चकाचक यहां से हुई काम की शुरुआत

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

गाजियाबाद में रहने वाले लोगों के लिए राहतभरी खबर है। शहर की 7 सड़कों की सूरत बदलने की तैयारी है। मॉनसून से पहले इंदिरापुरम के मुख्य मार्गों को 8 करोड़ रुपये की लागत से संवारने का प्लान है।

सीआईएसएफ रोड से इसकी गाजियाबाद में रहने वाले लोगों के लिए राहतभरी खबर है। शहर की 7 सड़कों की सूरत बदलने की तैयारी है। मॉनसून से पहले इंदिरापुरम के मुख्य मार्गों को 8 करोड़ रुपये की लागत से संवारा जाएगा। सीआईएसएफ रोड से इसकी शुरुआत हो चुकी है।

जल्द ही छह और मार्गों को भी नए सिरे से बनाया जाएगा। काम पूरा होने पर इंदिरापुरम की चार से पांच लाख की आबादी को राहत मिलेगी। बीते साल हैंडओवर के बाद इंदिरापुरम की स्थिति में काफी सुधार हो रहा है। सीवर, पार्क से लेकर सड़कों तक के काम शुरू हुए हैं।

मॉनसून आने वाला है। ऐसे में जर्जर प्रमुख मार्गों को संवारने का काम नगर निगम ने शुरू किया है। 8 करोड़ रुपये की इस योजना में इंदिरापुरम के प्रमुख मार्गों को नए सिरे से बनाया जाएगा। सीआईएसएफ रोड इंदिरापुरम का मुख्य मार्ग है, जो इसे एक ओर एनएच-9 और दूसरी ओर वसुंधरा समेत लिंक रोड से जोड़ता है। कनावनी से एनएच-9 तक जाने वाला राश्ता जर्जर था। डिवाइडर के दूसरी ओर अतिक्रमण और मिट्टी के कारण सड़क बदहाल हो गई थी।

योजना में सबसे पहले इसे ही बनाया जा रहा है। इसका काम लगभग अंतिम चरण में है। सीआईएसएफ रोड पर एनएच-नौ से आने वाला मार्ग दुरुश्त है, इसलिए इसे बनाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। मगर इससे जुड़ने वाली नीति खंड, वैभव खंड और शक्ति खंड को जाने वाली छह और सड़कों की स्थिति जर्जर है। आठ करोड़ रुपये की इस योजना में इन छह मार्गों को भी नए सिरे से बनाया जाएगा।

सीआईएसएफ रोड का काम पूरा होने के बाद इसे शुरू किया जाएगा। इन सभी सड़कों की लंबाई करीब 17 किलोमीटर है। एनके चौधरी, मुख्य अभियंता, निर्माण विभाग, नगर निगम, मॉनसून से पहले इंदिरापुरम की प्रमुख सड़कों को संवारने का काम शुरू हो गया है। इसे जल्द पूरा करेंगे। बारिश होने पर अब वाहन चालकों को परेशानी नहीं होगी।

संपादकीय

चारधाम श्रद्धालुओं के लिए मौत के उड़नखटोले बन रहे है हेलीकॉप्टर!

उत्तराखंड के केदारनाथ धाम में 15 जून की तड़के एक हेलीकॉप्टर फिर दुर्घटनाग्रश्त हो गया है। इस हेलीकॉप्टर में पायलट समेत 7 लोग सवार थे, जिनमे एक 2 वर्ष का बच्चा भी शामिल था। इन सभी की मौके पर ही मौत हो गई है। खराब मौसम के कारण यह हादसा गौरीकुंड और त्रिजुगीनारायण के मध्य गौरीकुंड के जंगलों के ऊपर हुआ है।

सुबह लगभग साढ़े पांच बजे हेलीकॉप्टर ने केदारनाथ से गुप्तकाशी के लिए उड़ान भरी और अचानक यह हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रश्त हो गया। खराब मौसम के कारण दृश्यता कम होने की वजह से इस हादसे का होना माना जा रहा है। तत्काल राहत और बचाव दल भेजे गए हैं। राश्ते में मौसम खराब होने के कारण हेलीकॉप्टर द्वारा अन्य स्थान पर हार्ड लैंडिंग करने से हेलीकाप्टर क्षतिग्रश्त हुआ है।

इसी जून के पहले सप्ताह में भी एक हेलीकॉप्टर में तकनीकी खराबी के कारण उसको बीच सड़क पर इमरजेंसी लैंड कराना पड़ा था। यह हेलीकॉप्टर केदारनाथ धाम यात्रियों को लेकर जा रहा था। हेलीकॉप्टगर में पांच यात्री, पायलट और सह-पायलट सवार थे। इस दौरान सह-पायलट को मामूली चोटें आई थीं। यह हेलिकॉप्टर बड़ासु हेलीपैड से उड़ान भरने के तुरंत बाद आपातकालीन लैंडिंग करने पर मजबूर हुआ था।

इस साल मई में केदारनाथ धाम के कपाट खुलने के बाद से छह सप्ताह में यह पांचवां हेलिकॉप्टर हादसा है। उत्तराखंड में हेलीकॉप्टर सेवा से केदारनाथ धाम में यात्रा करने वालों की संख्या हर साल लगभग 90 हजार से 1 लाख श्रद्धालुओं की है। प्रतिदिन लगभग 1500 श्रद्धालु हेलीकॉप्टर से केदारनाथ दर्शन के लिए पहुंचते हैं, लेकिन मौजूदा समय में हेलीकॉप्टर की उड़ान कम होने और कुछ एजेंसियों को सस्पेंड किए जाने के बाद टिकट रद्द भी किए जा रहे हैं। टिकट रद्द के बाद श्रद्धालुओं को उनके पैसे वापस करने होंगे।

अपनी व्यवस्थाओं से चारधाम यात्रा पर आ रहे श्रद्धालुओं में हेलीकॉप्टर दुर्घटनाओं को लेकर मायूसी है, वही उत्तराखंड सरकार ने 15 जून के इस हादसे के बाद उत्तराखंड में हेलीकॉप्टर सेवाओं को अनिश्चित काल के लिए रोक दिया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर मुख्य सचिव इन दुर्घटनाओं को लेकर बैठक भी कर रहे है।

उत्तराखंड में बीते 7 जून के दिन 253 हेलीकॉप्टर शटल सेवा चली, जिसमें 1404 श्रद्धालुओं ने केदारनाथ तक का सफर तय किया। 8 जून को 208 हेलीकॉप्टर शटल सेवा चली, जिसमें 1161 श्रद्धालुओं ने केदारनाथ तक का सफर तय किया। वहीं अगर 9 जून को हेलीकॉप्टर 186 शटल सेवा चली जिसमें 1043 भक्तों ने बैठकर केदारनाथ के दर्शन किए। जबकि 10 जून मात्र 143 उड़ान केदारनाथ के लिए भरी गई। जिसमें 741 श्रद्धालुओं ने सफर किया।

वही 11 जून व 12 जून को केदारनाथ धाम में मौसम खराब होने के कारण कुछ ही हेलीकॉप्टर सुबह उड़ पाए। वाशतविकता यह है कि हेलीकॉप्टर उड़ान के दौरान अब इस बात का भी ध्यान रखा जा रहा कि कहीं अत्यधिक वजन ढोने, कम निचाई पर हेलीकॉप्टर की उड़ान और एक के बाद एक उड़ान भरने के साथ-साथ दूसरी कोई लापरवाही तो नहीं बरती जा रही है। हेलीकॉप्टर के इंजन को आराम मिल सके, साथ ही पायलट को भी बीच में अच्छा खासा ब्रेक मिले, इस बात को भी सुनिश्चित किया जाना जरूरी है।

उत्तराखंड चारधाम यात्रा के दौरान पिछले दिनों हुई हेलीकॉप्टर दुर्घटनाओं के बाद डीजीसीए ने हेली संचालन से संबंधित कुछ पाबंदी लगाई है।

चारधाम यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या हर साल बढ़ रही है। चारधाम यात्रा में खासकर केदारनाथ धाम में हेली सर्विस के माध्यम से लगातार श्रद्धालु केदारनाथ के दर्शन कर रहे हैं। हेलीकॉप्टर का सबसे ज्यादा संचालन केदारनाथ धाम के लिए ही हो रहा है। लेकिन हेलीकॉप्टर दुर्घटनाओं में इजाफा होने से सरकार और श्रद्धालु दोनों चिंतित है। बीती 8 मई 2025 को उत्तरकाशी के गंगनानी के पास हेलीकॉप्टप क्रैश में 6 लोगों की मौत हुई इस साल की इस यात्रा के दौरान 30 दिनों के भीतर चार हेलीकॉप्टर हादसों में 13 लोगों की जान और करोड़ों रुपए के हेलीकॉप्टर क्षतिग्रश्त हो गए है।

पर्यटन नोडल अधिकारी राहुल चौबे ने भी इस बात की पुष्टि की है कि डीजीसीए हेली सर्विस पर रिव्यू कर रहा है, इस रिव्यू के तहत कई तरह की रोक व पाबंदियां भी चारधाम यात्रा पर चल रही है। केदारनाथ के लिए उड़ने वाली हेलीकॉप्टर सेवा को रेग्युलेट भी किया गया है।

हादसे से पहले एक घंटे में यात्रियों को लेकर हेलीकॉप्टर 25 से 30 बार उड़ा करते थे, यह उड़ान तीन अलग-अलग जगह से होती थी। लेकिन अब अब मात्र 1 घंटे में 9 से 10 उड़ान भरी जा रही है। डीजीसीए ने यह भी साफ किया है कि जिस हेलीकॉप्टर में छह सवारियां यात्रा कर रही थी, उन हेलीकॉप्टर में अब सिर्फ 3 से 4 सवारियां ही यात्रा कर पाएंगी। इसके साथ ही वजन और मौसम का भी ध्यान रखा जाएगा। साथ ही मौसम जरा भी खराब होता है तो कोई भी हेली एजेंसी हेली के संचालन को लेकर दबाव नहीं बनाएगी।

डीजीसीए हर एक उड़ान और एविएशन की सारी एक्टिविटी पर नजर रख रहा है। ताकि इस रिव्यू को बेहतर तरीके से किया जा सके और आगे का फैसला लिया जा सके। लेकिन इन पाबंदियों के बावजूद खराब मौसम में हेलीकॉप्टर ने 15 जून की सुबह उड़ान भरी जो दुर्घटना का कारण बन गई और 7 जिंदगियां खत्म हो गई।

संकीर्ण जीवन-दृष्टि और टूटती नैतिक रीढ़

डॉ. सत्यवान सौरभ

वर्तमान जीवनशैली में सफलता का पैमाना केवल संपत्ति, आलीशान घर, ब्रांडेड कपड़े और कारों में निहित है। यदि कोई व्यक्ति आर्थिक रूप से सक्षम है, तो उसे अपने समाज में स्वतः ही 'सफल' माना जाने लगता है, भले ही उस सफलता के पीछे बेईमानी, छल-कपट, शोषण या नैतिक गिरावट क्यों न हो।

यह धारणा कि 'साध्य ही सब कुछ है, साधन की परवाह नहीं', अब आम होती जा रही है। इस विचारधारा ने ईमानदारी, सत्यनिष्ठा, संवेदना और कर्तव्य जैसे नैतिक मूल्यों को बहुत पीछे छोड़ दिया है।

आज का समाज एक ऐसे व्यक्तिवाद का शिकार है जहाँ 'मैं' ही प्राथमिक है, 'हम' का कोई विशेष महत्व नहीं रहा। यह आत्मकेन्द्रिकता हर क्षेत्र में दिखाई देती है—शहरी नियोजन से लेकर पारिवारिक ढांचे तक। बड़े-बड़े शहरों में सामूहिक स्थानों, खेल मैदानों, पुश्तकालयों और सार्वजनिक चौपालों की संख्या घट रही है।

लोग एक-दूसरे से कटते जा रहे हैं, संवाद सीमित होता जा रहा है और सामाजिक जुड़ाव केवल डिजिटल नेटवर्कों तक सिमट कर रह गया है। यहां तक कि त्योहार और पारिवारिक आयोजन भी अब 'फोटो-ऑप' बनकर रह गए हैं, जिनका मुख्य उद्देश्य सोशल मीडिया पर दिखाना होता है, न कि किसी भी प्रकार की वाश्तविक आत्मीयता साझा करना।

भौतिकता के इस अंधे दौड़ में तात्कालिक सुख को दीर्घकालिक भलाई पर प्राथमिकता दी जा रही है। संयम, अनुशासन और तप की भावना कमजोर पड़ती जा रही है। सोशल मीडिया, उपभोक्ता वश्तुओं और बाजारवादी प्रचार के ज़रिए यह धारणा पक्की कर दी गई है कि अधिकतम उपभोग ही सुख का पर्याय है। लोग तुरंत मिल रहे संतोष में इतना लिप्त हो चुके हैं कि आत्म-संयम, आत्मनिरीक्षण और दीर्घकालिक दृष्टिकोण जैसी प्रवृत्तियाँ हास्यास्पद प्रतीत होती हैं।

उपभोग के निर्णयों में नैतिकता का कोई स्थान नहीं बचा है। हम जो पहनते हैं, खाते हैं या उपभोग करते हैं—उसके पीछे की कहानी, चाहे वह पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाली हो या किसी मज़दूर के शोषण की, हमें प्रभावित नहीं करती। उदाहरण के लिए, फास्ट फैशन का उद्योग आज भी फल-फूल रहा है, भले ही हम सबको पता है कि इसमें कैसे सश्ते श्रम और पर्यावरणीय संसाधनों का दोहन होता है। नैतिक उपभोक्तावाद आज भी केवल कुछ सीमित वर्गों तक सिमटा हुआ है।

इस सोच का परिणाम है कि समाज में नैतिक मूल्यों का क्षरण तीव्र गति से हो रहा है। लोग अब परिणामों को ही सब कुछ मानते हैं—उस परिणाम की प्राप्ति की प्रक्रिया चाहे जितनी भी अपारदर्शी या अनैतिक क्यों न हो। यह प्रवृत्ति केवल व्यक्तिगत जीवन तक सीमित नहीं है, बल्कि कॉर्पोरेट दुनिया, राजनीति, शिक्षा, चिकित्सा, और मीडिया जैसे हर संस्थान में दिखती है। जब लाभ की भूख नैतिक सीमाओं को लांघती है, तब कॉर्पोरेट घोटाले जन्म लेते हैं, नेताओं की ईमानदारी संदेह के घेरे में आती है और शिक्षा की पवित्रता पर व्यापार हावी हो जाता है।

नैतिक मूल्यों का ह्रास केवल संस्थागत नहीं है—व्यक्तिगत श्तर पर भी सहानुभूति और करुणा कम होती जा रही है। आज का व्यक्ति अपने लक्ष्य की पूर्ति में इतना डूबा हुआ है कि उसे पड़ोसी की पीड़ा, बुज़ुर्गों की उपेक्षा, या मानसिक स्वास्थ्य की समस्याओं से कोई सरोकार नहीं रह गया है। यह संवेदनहीनता

धीरे-धीरे समाज को ऐसे व्यक्तियों का समूह बना रही है जो साथ रहते हुए भी अकेले हैं, और जिनके बीच आत्मीयता नहीं, केवल उपयोगिता का संबंध रह गया है।

साथ ही, नैतिक सापेक्षवाद का चलन भी बढ़ा है। जो चीज़ें पहले स्पष्ट रूप से सही और गलत मानी जाती थीं, अब उन्हें परिस्थितियों के अनुसार उचित या अनुचित ठहराया जाने लगा है। परीक्षाओं में नकल करना, कार्यस्थलों पर झूठ बोलना, रिश्वत देकर काम करवाना—इन सबको अब 'सिस्टम का हिस्सा' मान लिया गया है। यह विचार कि 'अगर सब कर रहे हैं, तो मैं क्यों नहीं?' एक सामूहिक नैतिक पतन का संकेत है।

यह सब केवल सामाजिक नहीं, बल्कि पर्यावरणीय दृष्टि से भी खतरनाक है। जब जीवन का उद्देश्य केवल अधिक से अधिक उपभोग बन जाता है, तो संसाधनों का दोहन अपरिहार्य हो जाता है। जलवायु परिवर्तन, जल संकट, जैव विविधता का विनाश—ये सब इसी 'अच्छे जीवन' की भ्रामक परिभाषा के दुष्परिणाम हैं। यह विडंबना ही है कि हम एक ऐसा जीवन जीने की कोशिश कर रहे हैं जो पृथ्वी के भविष्य को ही अंधकारमय बना रहा है। आज की स्थिति यह है कि नैतिकता अब केवल ब्रांडिंग का एक उपकरण बन गई है।

बड़ी-बड़ी कंपनियाँ और संस्थाएँ 'कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व' के नाम पर कुछ घटनात्मक कार्यक्रम करके अपने दामन को उजला दिखाने का प्रयास करती हैं, लेकिन जमीनी श्तर पर परिवर्तन नहीं होता। यह 'सतही नैतिकता' समाज को धोखा देने के साथ-साथ आत्मप्रवंचना को भी जन्म देती है।

यदि हमें इस गिरावट को रोकना है और एक संतुलित, करुणामय तथा नैतिक समाज की ओर बढ़ना है, तो हमें 'अच्छे जीवन' की धारणा को पुनर्परिभाषित करना होगा। जीवन की सफलता को केवल संपत्ति और प्रतिष्ठा से नहीं, बल्कि उद्देश्य, सद्गुणों, सहानुभूति और सामूहिक भलाई से जोड़ना होगा। इस दिशा में कुछ परंपरागत दर्शन—जैसे बौद्ध धर्म, गांधीवाद और जैन दृष्टिकोण—महत्वपूर्ण संकेत देते हैं। ये परंपराएँ आंतरिक संतुलन, अपरिग्रह, और नैतिक अनुशासन को जीवन की सफलता का आधार मानती हैं।

एक अच्छा जीवन वह है जो केवल अपने लिए नहीं, दूसरों के लिए भी जिया जाए। जिसमें सामुदायिक सहयोग, पर्यावरणीय संवेदनशीलता और आत्म-संयम हो। जहाँ हम जो उपभोग करें, वह जिम्मेदारी के साथ करें—यह सोचकर कि हमारे निर्णय दूसरों को, प्रकृति को और आने वाली पीढ़ियों को कैसे प्रभावित करेंगे। सरकार द्वारा शुरू किया गया "लाइफ" (लाइफस्टाइल फॉर एनवायरनमेंट) जैसे अभियान इस दिशा में एक सकारात्मक प्रयास हैं, परंतु इनका प्रभाव तभी होगा जब वे समाज के हर वर्ग तक नैतिक चेतना के साथ पहुँचें।

इस प्रक्रिया में शिक्षा की भी केंद्रीय भूमिका है। नई शिक्षा नीति 2020 ने नैतिक और जीवन कौशल शिक्षा को प्राथमिकता देने की बात की है, जो एक स्वागतयोग्य कदम है। अगर हम प्रारंभिक श्तर पर बच्चों को सहानुभूति, कर्तव्य, सच्चाई और न्याय जैसे मूल्यों से परिचित कराएँ, तो एक पीढ़ी तैयार हो सकती है जो 'अच्छे जीवन' की एक व्यापक और समावेशी परिभाषा को आत्मसात कर सके।

अंततः, जीवन का अर्थ केवल जीने में नहीं, बल्कि सही ढंग से जीने में है। और सही ढंग से जीना केवल भौतिक सफलता में नहीं, बल्कि एक ऐसे संतुलन में है जहाँ आत्मा शांत हो, समाज स्वस्थ हो और पृथ्वी संरक्षित हो। यदि हम ऐसा जीवन जीना सीखें, तो शायद हम न केवल अपने लिए, बल्कि पूरी मानवता के लिए एक बेहतर भविष्य का निर्माण कर सकें।

भारत-अमरीका अंतरिम व्यापार समझौते की संभावनाएं

डा. जयंतीलाल भंडारी

यकीनन इस समय भारत और अमरीका के बीच अंतरिम कारोबार समझौते के अंतिम दौर की वार्ता इसी माह जून तक पूर्ण किया जाना ट्रंप के बार-बार बदलते टैरिफ रुख के साथ-साथ दो अन्य कारणों से भी भारत के हित में है।

कुछ दिनों पहले तक चीन पर भारी टैरिफ लगाने वाले ट्रंप ने अब अमरीका और चीन के बीच व्यापार युद्ध रोककर कारोबारी संबंधों को वापस पटरी पर लाने और दुर्लभ खनिजों पर चीन के निर्यात प्रतिबंधों को हटाने के लिए 11 जून को चीन के साथ करार किया है। इसके तहत जहां चीन अमरीका को मैग्नेट और दुर्लभ खनिजों की आपूर्ति करेगा, वहीं अमरीका अपने कालेजों और विश्वविद्यालयों में चीनी छात्रों को पढने की अनुमति देगा।

इसी तरह अमरीका की व्यापक शुल्क नीति पर अमरीका की संघीय अपील अदालत द्वारा ट्रंप के अनुकूल फैसला दिया गया है। इस फैसले से अमरीका अन्य देशों के खिलाफ खुद को बचाने के लिए शुल्क का उपयोग कर सकता है। अतएव ऐसे परिदृश्य में भारत और अमरीका के बीच अंतरिम व्यापार समझौते से ट्रंप के व्यापार यूटर्न पर रोक लग सकेगी।

गौरतलब है कि हाल ही में अमरीका के वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लटनिक ने कहा कि भारत और अमरीका के बीच आंतरिक व्यापार समझौता इसी जून महीने में पूरा होते हुए दिखाई दे सकेगा। इस तरह के समझौते को पूर्ण होने में दो या तीन साल लग जाते थे। विगत 29 मई को वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि मैनहैटन की अंतरराष्ट्रीय व्यापार अदालत के द्वारा विभिन्न देशों के विरुद्ध अमरीका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के जवाबी शुल्क सहित अन्य विभिन्न शुल्कों को अवैध ठहराए जाने के बीच अमरीका के साथ भारत की व्यापार वार्ता सही दिशा में आगे बढ़ती रहेगी।

वस्तुतः इस समय भारत-अमरीका कारोबार के बढने के बारे में तीन बातें रेखांकित हो रही हैं। एक, भारत और अमरीका के बीच 25 जून, 2025 तक एक अंतरिम व्यापार समझौते की घोषणा हो सकती है। दो, भारत सरकार अपनी सरकारी खरीद बाजार का एक हिस्सा विदेशी कंपनियों के लिए खोलने जा रही है तथा इसमें अमरीका की कंपनियां भी शामिल होंगी।

भारत सरकार के खरीद अनुबंधों का केवल एक हिस्सा विदेशी कंपनियों के लिए खोला जाएगा। यह हिस्सा मुख्य रूप से केवल केंद्र सरकार की परियोजनाओं से जुड़ा होगा। तीन, अमरीकी कंपनियों के लिए भारत लाभ का बाजार बना हुआ है।

अमरीकी राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप के द्वारा आईफोन निर्माता कंपनी एप्पल के सीईओ टिम कुक को अमरीका में बिकने वाले आईफोन भारत में बनाए जाने पर अमरीका में 25 फीसदी टैरिफ लगाए जाने की कड़ी चेतावनी के बाद भी एप्पल ने भारत में आईफोन विश्तार जारी रखने का संकेत दिया है। गौरतलब है कि वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने वाशिंगटन में अमरीकी वाणिज्य मंत्री हार्वर्ड लटनिक के साथ दोनों देशों के बीच प्रश्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण की वार्ता की प्रगति की समीक्षा की और कहा कि पारस्परिक लाभ (रेसिप्रोकल) सुनिश्चित करने के लिए वस्तुओं में अंतरिम व्यापार व्यवस्था को आकार दिए जाने की संभावना हैं।

अमरीका ने विगत 2 अप्रैल को भारतीय सामान पर अतिरिक्त 26 प्रतिशत रेसिप्रोकल टैरिफ लगाया था, लेकिन इसे 9 जुलाई तक यानी कुल 90 दिनों के लिए सस्पेंड कर दिया था। ऐसे में 8 जुलाई के पहले अमरीका के साथ किया जाने वाला अंतरिम व्यापारिक समझौता टैरिफ विवादों को सुलझाने और दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम साबित हो सकता है।

इस संभावित अंतरिम व्यापार समझौते के बारे में जो तस्वीर उभर कर दिखाई दे रही है, इसके तहत अमरीका के बाजार में भारतीय वश्तुओं पर लगने वाले शुल्क को शून्य करवाने के लिए भारत भी अमरीका की कई वश्तुओं पर शुल्क में राहत दे सकता है।

अमरीका भारत के बाजार में कृषि उत्पादों का निर्यात करना चाहता है, लेकिन भारत सिर्फ गैर जेनिटिकली मोडिफायड (जीएम) कृषि उत्पादों को ही अपने बाजार में आने की अनुमति देगा। डेयरी जैसे संवेदनशील उत्पादों को भी शुल्क समझौते में शामिल करने की उम्मीद नहीं है।

भारत अमरीका से सभी रोजगारपरक सेक्टर में शून्य शुल्क या अति कम शुल्क चाहता है ताकि इन सेक्टर का अमरीका में होने वाला निर्यात बढ़े, जिससे भारत में मैन्युफैक्चरिंग व रोजगार बढ़ोतरी में मदद मिलेगी। दूसरी तरफ, अमरीका इलेक्ट्रिक वाहनों के साथ, वाइन, एथनाल, कई औद्योगिक आइटम व कुछ खाद्य आइटम के शुल्क में छूट चाहता है। इसके साथ अमरीका भारत के गुणवत्ता नियंत्रण नियम में भी छूट चाहता है।

पिछले दिनों अमरीका के वित्तमंत्री स्कॉट बेसेंट ने भी वाशिंगटन में एक बैठक में कहा कि पूरी दुनिया में भारत एक ऐसे पहले देश के रूप में सामने है, जिसके साथ अमरीका का द्विपक्षीय-कारोबार समझौता (बीटीए) प्रारंभिक आकार लेने के करीब है। भारत-अमरीका के बीच बीटीए को 31 दिसंबर, 2025 तक पूर्ण करना सुनिश्चित किया गया है।

गौरतलब है कि विगत 13 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमरीका के राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप के बीच व्हाइट हाउस में हुई द्विपक्षीय वार्ता के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप एक हाथ से देने और दूसरे हाथ से लेने में अच्छी तरह से कामयाब दिखाई दिए। दोनों देशों ने अमरीका के व्यापार घाटे को कम करने, व्यापार पर गतिरोध के बीच टैरिफ को कम करने, अधिक अमरीकी तेल, गैस और लड़ाकू विमानों की खरीदी के बारे में बात करने और रियायतों पर भी सहमति व्यक्त की। दोनों देशों ने द्विपक्षीय समझौते के तहत भारत और अमरीका के बीच वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार के लिए 500 अरब डालर का लक्ष्य निर्धारित किया।

साथ ही भारत और अमरीका भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईसी) के निर्माण के लिए मिलकर काम करने पर सहमत हुए हैं। निश्चित रूप से ट्रंप के द्विपक्षीय व्यापार संबंधी कुछ अपरिपक्व बयानों के बाद भी अब इसी जून माह में अमरीका के साथ शीघ्र ही भारत के अंतरिम व्यापार समझौते और फिर दिसंबर 2025 तक बीटीए से भारत अमरीका कारोबार तेजी से बढ़ते हुए दिखाई देगा।

हाल ही में प्रकाशित विदेश व्यापार के नए आंकडों के मुताबिक पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में अमरीका लगातार चौथी बार भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बना रहा। साथ ही दोनों देशों का द्विपक्षीय व्यापार 131.84 अरब डॉलर पर पहुंच गया।

यह महत्त्वपूर्ण है कि पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में अमरीका को भारत का निर्यात 11.6 प्रतिशत बढक़र 86.51 अरब डॉलर हो गया, जबकि 2023-24 में यह 77.52 अरब डॉलर था। 2024-25 में अमरीका से आयात 7.44 प्रतिशत बढक़र 45.33 अरब डॉलर हो गया, जबकि 2023-24 में यह 42.2 अरब डॉलर था।

अमरीका के साथ व्यापार अधिशेष पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में 41.18 अरब डॉलर तक पहुंच गया है, जो 2023-24 में 35.32 अरब डॉलर था। यह स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि पिछले दिनों ब्रिटेन के साथ हुआ भारत का एफटीए अब अमरीका और यूरोपीय संघ जैसे बड़े देशों के साथ-साथ ओमान, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका, इजरायल, भारत गल्फ कंट्रीज काउंसिल सहित अन्य प्रमुख देशों के साथ भी एक मिसाल के रूप काम कर रहा है।

हम उम्मीद करें कि भारत के द्वारा अमरीका के साथ इसी जून माह में संभावित मुक्त व्यापार समझौता दोनों देशों के बीच 2030 तक 500 अरब डॉलर के द्विपक्षीय कारोबार के लक्ष्य के मद्देनजर मील का पत्थर साबित होगा। इससे देश से निर्यात बढ़ेंगे और बड़े पैमाने पर रोजगार के नए अवसरों का निर्माण होगा।

(लेखक विख्यात अर्थशास्त्री है)

उद्देश्य से भटके संयुक्त राष्ट्र संघ को भंग क्यों नही करते?

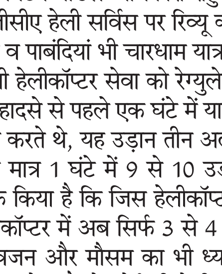

अशोक मधुप

संयुक्त राष्ट्र संघ (United Nations) का मुख्य औचित्य अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखना, मानव अधिकारों की रक्षा करना, और विभिन्न राष्ट्रों के बीच मैत्रीपूर्ण संबंध स्थापित करना है। इसका गठन द्वितीय विश्व युद्ध के बाद 1945 में 51 देशों द्वारा किया गया था। इसका उद्देश्य था कि भावी युद्धों को रोका वैश्विक सहयोग को बढ़ावा दिया जा सके।

आज 193 देश इसके सदस्य हैं। इतने बड़े संगठन का लगता है कि आज कोई देश कहना मानने को तैयार नहीं। सबकी अपनी ढपली अपना राग है। संयुक्त राष्ट्र संघ तमाशबीन बन कर रह गया है।लगभग एक साल आठ माह से इस्राइल हमास युद्ध चल रहा है। अब इस्राइल से ईरान पर हमलाकर दिया है। इस्राइल ईरान युद्ध में बैलिस्टिक मिजाइल प्रयोग हो रही हैं। सवा दो साल से रूस यूक्रेन युद्ध चल रहा है।

तालिबान द्वारा अफगानिश्तान में की गई बरबादी पूरी दुनिया ने देखी। संयुक्त राष्ट्र संघ मानव जीवन की बरबादी देख रहा है। यह असहाय बना बैठा है। मानव जीवन का विनाश रोकने के लिए वह कुछ नहीं कर पा रहा। उसकी भूमिका शून्य होकर रह गई है। ऐसे में प्रश्न उठता है कि जब संयुक्त राष्ट्र संघ कुछ नहीं कर सकता। को देश उसकी मानने को तैयार नही। युद्ध रोकने की उसकी शक्ति नहीं तो उसका औचित्य क्या है? दुनिया के देश क्यों इस सफैद हाथी को पाले हैं। क्यों इसका खर्च वहन कर रह हैं। इस भंग क्यों नही कर दिया जाता।

एक साल आठ माह से से हमास-इस्राइल युद्ध चल रहा है।लगभग डेढ़ साल पूर्व हमास-इस्राइल युद्ध को रोकने के लिए संयुक्त राष्ट्र में प्रयास हुए। कई बार प्रश्ताव के प्रयास हुए पर वीटो पावर वाले देशों के अडंगे के कारण कुछ नहीं हो सका। बाद में संयुक्त राष्ट्र महासभा में इस युद्ध को रोकने के लिए सर्वसम्मत प्रश्ताव स्वीकार किया, किंतु इस्राइल ने इसे स्वीकार करने से मना कर दिया। होना यह चाहिए था कि प्रश्ताव होता कि हमास ने इस्राइल पर हमला किया है, वह इस्राइल के नुकसान की भारपाई करे। इस्राइल के बंदी रिहा करे।

ये भी व्यवस्था होती कि भविष्य में हमास ऐसा दुस्साहस न कर सके। सब चाहते हैं कि इस्राइल युद्ध रोके। कोई ये पहल नही कर रहा कि पहले हमास इस्राइल के बंदी रिहा करे। इस्राइल के हमलों में बच्चों और महिलाओं के मरने की बात हो रही है। मुख्य मामला पीछे चला गया।

अब ये सब बात बंद हो गई। साफ हो गया कि इस्राइल मानने वाला नही है। हमास के हमले में इस्राइल में बच्चों- महिलाओं का जिस तरह कत्ल किया गया, उनकी गर्दन काटी गई।

उसका कहीं जिक्र नहीं हो रहा। इस तरह का दोहरा आचरण दुनिया का विखंडित ही करेगा, रोकेगा नही।

पिछले तीन साल चार माह से रूस - यूक्रेन युद्ध जारी है। इस युद्ध में मरने और घायल होने वाले दोनों देशों के सैनिकों की संख्या पांच लाख के आसपास है।अपने सैनिकों की मौत के बारे में न रूस कुछ बता रहा है, न ही यूक्रेन।

रूस यूक्रेन युद्ध में सीएसआईएस के जून 2025 के अनुमान के अनुसार रूस के लगभग 250,000 सैनिकों की मौत हुई। साढ़े सात लाख गंभीर रूप से घायल हैं। यूक्रेन की और से 21 मई 2025 तक 70,935 यूक्रेनी सैनिक मारे जा चुके हैं। सीएसआईएस का जून 2025 अनुमानः कुल 400,000 हताहत (इसमें 60 हजार से एक लाख मारे और 300–340 हजार घायल हुए)। यूक्रेनी ऑफिशियल आंकड़े के अनुसार 43,000 मारे और 370,000 घायल हुए।

यूएनएचसीआर के अनुसार, लगभग 10.6 मिलियन यूक्रेनियन विस्थापित हुए हैं। 3.7 मिलियन देश के अंदर, 6.9 मिलियन विदेश में विस्थापित हुए। यूएन के अनुसार यूक्रेन में लगभग 13,134 नागरिकों की मौत हुई है (2025 तक सत्यापित); 2022–2024 में मान्यता प्राप्त कुल नागरिक मृत्यु 50,000 तक हो सकती है।उधर इज़राइल हमास संघर्ष में इस्राइल के 831 सैनिक मरे, 5,617 घायल हुए। 924 नागरिक मरे, 14,000 से ज्यादा घायल हुए। हमास/गाज़ा के 20,000 से ज्यादा मिलिटेंट मरे। (सटीक घायलों का डेटा नहीं)55,000 से ज्यादा गाज़ाई महिला –बच्चे मरे। इतना सब होने के बाद भी संयुक्त राष्ट्र इस युद्ध को नहीं रोक पाया। न रोक पा रहा है। इस युद्ध से दोनों देशों के विकास तो रुका ही। मानव कल्याण के लिए भवन, पुल, स्कूल और उद्योग खंडहर बन गए। इनके युद्ध के कारण दुनिया के अन्य देशों को होने वाली अनाज की आपूर्ति रुकी है। इससे पूरी दुनिया में मंहगाई बढ़ रही है। हाल ही में यूक्रेन ने रूस पर बड़ा हमला किया।इससे रूस को भारी क्षति हुई । कई आधुनिक लड़ाकू विमान तबाह हुए।

उसका जबाव रूस ने भी दिया। जिस तरह से रूस लड रहा है। मित्र देश यूक्रेन को पीदे से मदद कर रहे है, उससे लगता है कि गुस्साकर कभी भी रूस परमाणु हमला कर सकता है। किंतु इसकी किसी को चिंता नहीं। हमास इस्राइल युद्ध के बीच हुति विद्रोहियों ने इस्राइल पर मिजाइल से हमले किए।इस्राइल समर्थक देशों के मालवाहक जहाजों पर मिजाइल दागीं। इस सब के बावजूद संयुक्त राष्ट्र संघ की नींद नही खुली।

आज संयुक्त राष्ट्र महासभा कुछ देश के हाथों की कठपुतली बन गया है। अन्य देश न अपनी ताकत का प्रयोग कर सकता है ना अपनी क्षमता का। संयुक्त राष्ट्र महासभा के गठन का सबसे महत्वपूर्ण उद्देश्य विश्व में शांति कायम करना है। आज के हालात को देखते हुए लगता है कि अपने सबसे बड़े कार्य का दायित्व निभाने में वह सक्षम नहीं है। पांच वीटो पावर देश उसे अपनी मर्जी से नचा रहे हैं।

उनके एकजुट हुए बिना संयुक्त राष्ट्र महासभा कुछ नहीं कर सकता। ये पांचों विटो पावर देश खुद खेमों में बंटे है। ऐसे में सर्व सम्मत प्रश्ताव पास होना एक प्रकार से नामुमकिन हो गया है। म्यांमार में पिछले दिनों सेना का जुल्म देखने को मिला। चीन में उइगर मुसलमानों पर जुल्म जग जाहिर हैं। पूरी दुनिया जानती है कि पाकिश्तान आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा है।

पुलबामा कांड के बाद भारत ने पाकिश्तान में आंतकी ठिकानों पर मिजाइल से हमले किए।पाकिश्तान के जवाब में चार दिन युद्ध चल कर रूका। संयुक्त राष्ट्र संघ इसे रोकने के लिए भी कुछ नहीं कर सका। तालिबान के कब्जे के बाद अफगानिश्तान की बरबादी दुनिया ने देखी। पूरा विश्व सब देखता रहा। कोई कुछ नहीं कर सका।

आज आतंकवाद पूरे विश्व की बड़ी समस्या है। सब जानते हैं कि कौन देश इसे पाल पोस रहे हैं।इस आंतकवाद के खात्मे के लिए कोई संयुक्त प्रयास नही हो रहे। कभी इस बारे में प्रश्ताव आता है तो पांच विटो पावर दादाओं में से कोई न कोई उस प्रश्ताव को विटो कर देता है।

जिस तरह से इस्राइल हमास और ईराक में संघर्ष चल रहा है। अमेरिका इस्राइल के पीछे खड़ा है।यूक्रेन के पीछे मित्र राष्ट्र हैं। ऐसे में कभी भी दुनिया को तीसरे विश्व युद्ध का सामना करना पड सकता है।

आज जरूरत आ गई है कि संयुक्त राष्ट्र महासभा की उपयोगिता पर विचार किया जाए। इसे उपयोगी बनाने पर कार्य किया जाए। ऐसा ढांचा खड़ा किया जाए कि एक देश दूसरे देश का मददगार बने। मुसीबत में उसके साथ खड़े हो, उसकी रक्षा कर सकें।

ऐसा नहीं आपदा के समय सिर्फ तमाशा देखें। सब दुनिया के सभी देश बराबर हैं तो पूरी दुनिया के पांच देशों को ही वीटो पावर का अधिकार क्यों? उनकी ही पूरी दुनिया पर दादागिरी क्यों?इस पर विचार किए जाने की जरूरत है। संयुक्त राष्ट्र संघ में डिक्टेटरशिप लागू नहीं है जो किसी विशेष का निर्णय फाइनल होगा।

किसी निर्णय को रोक सकेगा। आज के हालात में सामूहिकता बढ़ाने ,सामूहिक निर्णय पर चलने, सामूहिक विकास का सोचने की सबसे बडी जरूरत है। और एक ऐसे संगठन की दुनिया को जरूरत है जो निष्पक्ष और तटस्थ होकर पूरी दुनिया में शांति स्थापना के लिए काम कर सके। ऐसे संगठन की जरूरत नहीं है जिसमें चार या पांच दादाओं का ही निर्णय चले। पूरी दुनिया निरीह बनी लूटी पिटी मौन खड़ी रहे।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.ncrtoday.in **ई-मेल:** todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI**-UPHIN/2009/30721

संक्षिप्त समाचार

हत्या के मामले में जमानत पर चल रहे बदमाश की पुलिस से मुठभेड़, 20 मुकदमे हैं दर्ज

मेरठ , एजेंसी। मेरठ में कंकरखेड़ा थाना क्षेत्र में रविवार रात एक शातिर अपराधी पुलिस की गोली का शिकार हो गया। मुठभेड़ के दौरान आरोपी गौरव सिरोही के पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया, जिसे पुलिस ने जिला अस्पताल में भर्ती कराया है।

गौरव सिरोही खतौली में दर्ज एक हत्या के मामले में जमानत पर चल रहा था और उस पर मेरठ, बागपत और दिल्ली में कुल 20 से अधिक आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।

पुलिस के अनुसार, श्रद्धापुरी निवासी कल्पना ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि उसके पति राहुल पर एक बदमाश ने तमंचा तान दिया और विरोध करने पर चाकू से हमला कर दिया। इस शिकायत के आधार पर पुलिस ने बदमाश की तलाश शुरू की।

रविवार रात एलआईसी कट के पास पुलिस ने आरोपी की घेराबंदी की। खुद को घिरता देख बदमाश ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली उसके पैर में लगी, जिससे वह घायल होकर गिर पड़ा।

एसपी सिटी आयुष विक्रम सिंह ने बताया कि घायल बदमाश पुलिस हिरासत में है। प्राथमिक इलाज के बाद उसे न्यायालय में पेश किया जाएगा। पुलिस अब उसके खिलाफ अन्य मामलों की भी जांच कर रही है।

पुलिस मुठभेड़ में 25 हजार का इनामी बदमाश घायल, कालू रामनगरिया गैंग से जुड़ा

मेरठ , एजेंसी। मेरठ शहर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र में शनिवार को पुलिस और स्वाट टीम की संयुक्त कार्रवाई में एक बड़ा अपराधी पुलिस के हत्थे चढ़ा। 25 हजार का इनामी बदमाश आशीष निवासी लालपुर, खरखोदा को पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान गोली मारकर गिरफ्तार कर लिया। गोली उसके पैर में लगी है।

पुलिस के अनुसार, आशीष कुख्यात गैंगस्टर रोहन उर्फ कालू रामनगरिया गैंग का सक्रिय सदस्य है। मुठभेड़ के दौरान आरोपी ने भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिस की जवाबी कार्रवाई में घायल हो गया। उसे तुरंत इलाज के लिए जकल अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मौके से पुलिस ने एक 315 बोर का तमंचा, दो जिंदा कारतूस और एक बिना नंबर की बाइक भी बरामद की है। आरोपी के खिलाफ पहले से ही कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं, जिनमें लूट, हत्या का प्रयास और आर्म्स एक्ट जैसे गंभीर अपराध शामिल हैं।

पुलिस पूछताछ में आशीष ने कबूल किया कि वह जेल में बंद कालू रामनगरिया के लिए काम करता था और उसके इशारे पर कई आपराधिक वारदातों को अंजाम देता था। पुलिस अब गैंग के अन्य सदस्यों की तलाश में जुट गई है।

यूपी पुलिस का नियुक्ति पत्र लेकर लौट रहे अभ्यर्थियों की बस की ट्रेलर से टक्कर, खाई में गिरी

आगरा , एजेंसी। लखनऊ से यूपी पुलिस में चयनित सिपाहियों को लेकर आगरा आ रही ताज डिपो की बस आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर हादसे का शिकार हो गई। ट्रेलर की टक्कर से बस रेलिंग तोड़ते हुए खाई में जा गिरी। तीन चयनित सिपाही घायल हो गए। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस के मुताबिक, रविवार की रात करीब 8:30 बजे लखनऊ से चयनित सिपाही नियुक्ति पत्र लेकर ताज डिपो की बस से आगरा पुलिस लाइन लौट रहे थे। बस में 44 चयनित सिपाही, चालक सहित कुल 47 लोग थे। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे के किलोमीटर 27.800 पर चालक ने बस को सड़क किनारे खड़ा कर दिया। कुछ चयनित सिपाही बस से उतरने लगे। तभी लखनऊ की तरफ से आ रहे ट्रेलर ने बस में पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही बस में बैठे चयनित सिपाहियों में चीख-पुकार मच गई। बस रेलिंग तोड़ते हुए सड़क किनारे खाई में जा गिरी। आसपास के लोग जुट गए। घटनास्थल पर एसीपी फतेहाबाद अमरदीप, फतेहाबाद थाने का फोर्स पहुंच गया। एसीपी अमरदीप ने बताया कि हादसे में रोविन निवासी खेड़ा भगौर थाना मलपुरा, सुंदरम शर्मा निवासी चौरंगाहार थाना बाह, रनवीर सिंह निवासी सामंतापुरा थाना सैंया घायल हुए हैं।

प्रदेश में बदला मौसम

कई जिलों में हो सकती है बारिश; 18 जून से दस्तक दे सकता है मानसून

लखनऊ , एजेंसी। प्रदेश का मौसम अब करवट ले रहा है। रविवार को तापमान में गिरावट महसूस की गई। उत्तरी और पश्चिमी यूपी में बारिश से लोगों को राहत मिली। मौसम विभाग के अनुसार सोमवार से लू का दौर खत्म होगा और पूरे प्रदेश में कहीं हल्की तो कहीं तेज हवा के साथ बारिश और बौछारें पड़ने के आसार हैं। इसे मानसून की आहट बताया जा रहा है। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में गोरखपुर से होकर 18 जून को मानसून दस्तक दे सकता है। पिछले 24 घंटों के दौरान हुई प्री मानसूनी बारिश से तापमान में व्यापक गिरावट महसूस की गई है।

प्रदेश में पिछले एक सप्ताह से चल रही लू और उमस भरी गर्मी के प्रभाव में कमी शुरू हो गई है। 16 जून के बाद उमस भरी गर्मी से पूरी तरह से निजात मिलने की उम्मीद है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के मौसम विज्ञान अतुल कुमार सिंह ने बताया कि रविवार को उत्तरी व पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बारिश हुई है। इसकी वजह से तापमान में एक से तीन डिग्री की कमी दर्ज की गई। प्रदेश के दक्षिणी-पश्चिमी क्षेत्र में भी बौछारें पड़ीं।रविवार को वाराणसी 43.2 डिग्री तापमान के साथ सबसे गर्म रहा। दूसरे नंबर पर उरई रहा जहां का तापमान 42.6 डिग्री रहा।

मौसम विभाग ने जारी किया अलर्टः मौसम विभाग की ओर से सोमवार को सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद और रामपुर में मेघगर्जन के साथ ही वज्रपात अलर्ट जारी किया गया है। इसके साथ ही सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर और बिजनौर समेम आसपास के इलाकों में ओलावृष्टि का पूर्वानुमान जताया है।

यहां वज्रपात की संभावनाः बांदा, चित्रकूट, कौशाम्बी, प्रयागराज, फतेहपुर, प्रतापगढ़, सोनभद्र, मिर्जापुर, संत रविदास नगर, हरदोई, फर्रुखाबाद, कन्नौज, कानपुर देहात, कानपुर नगर, उन्नाव, लखनऊ, बाराबंकी, रायबरेली, अमेठी, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, गाजियाबाद, हापुड़, गौतम बुद्ध नगर, बुलन्दशहर, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, कासगंज, एटा, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरैया, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, संभल, बदायूं, जालौन, हमीरपुर, महोबा, झांसी, ललितपुर व आसपास के इलाकों में।

मेरठ में बदला मौसम का मिजाज, बादलों और हवा ने दी गर्मी से राहत

मेरठ। शहर में मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल चुका है। सोमवार सुबह से ही आसमान पर बादल छाए रहे और ठंडी हवाएं गर्मी पर जैसे ब्रेक लगाने लगीं। पिछले तीन दिनों से मौसम में लगातार बदलाव महसूस किया जा रहा है। तापमान में गिरावट दर्ज हो रही है और नमी का स्तर भी बढ़ा है। तेज धूप और तपिश के बाद अब लोगों को कुछ राहत महसूस हो रही है। मौसम वैज्ञानिकों की मानें तो अगले 48 घंटों तक हल्की बूंदाबांदी की संभावना बनी हुई है, जिससे दिन के तापमान में और गिरावट आ सकती है। भारतीय कृषि प्रणाली अनुसंधान संस्थान, मोदीपुरम के मौसम वैज्ञानिक डॉ. एम. शमीम ने बताया कि बारिश न सही, लेकिन बूंदाबांदी और बादलों की मौजूदगी से तापमान 35 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना रहेगा। हवा की गति और दिशा भी बदली हुई है, जिससे मौसम में ठंडक का एहसास हो रहा है। इस मौसम ने न सिर्फ लोगों को गर्मी से राहत दी है, बल्कि खेतों और फसलों के लिए भी यह नमी फायदेमंद साबित हो सकती है। मौसम विभाग का कहना है कि यदि पश्चिमी विक्षोभ और हवा की दिशा में बदलाव ऐसे ही जारी रहा, तो आने वाले दिनों में अच्छी बारिश की संभावना बन सकती है।

दुबई भेजा गया यूपी का 1200 किलो दशहरी आम, एफपीओ को पहली बार मिला सीधे निर्यात का मौका

लखनऊ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश के दशहरी आम की मांग अब गल्फ देशों में भी हो रही है। यहां से रविवार को दुबई के लिए पहली खेप भेजी गई है। उद्यान मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने लखनऊ के रहमानखेड़ा के मैंगो पैक हाउस से हरी झंडी दिखाकर वाहन को रवाना किया। उद्यान, कृषि विपणन एवं कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने बताया कि फल एवं सब्जी के निर्यात के दिशा में उत्तर प्रदेश को लगातार कामयाबी मिल रही है। दशहरी आम के 1200 किलोग्राम (400 पैक) को वायु मार्ग से दुबई भेजा गया है। दुबई की कंपनी वरग्रो ट्रेडिंग एलएलसी ने आयात किया है। इन्डो-जर्मन एएमडी परियोजना के तहत तीन एफपीओ को कृषि निर्यात का प्रशिक्षण देकर उनकी क्षमता का विकास किया गया। इनमें से इरादा फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड एवं मलिहाबाद फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड को दुबई से दशहरी आम का सीधा ऑर्डर मिला है।

यह दोनों एफपीओ इस वर्ष पहली बार स्वयं अपने स्तर पर दुबई को आम निर्यात कर रहे हैं। मौके पर कृषि सचिव इंद्र विक्रम सिंह, विशेष सचिव टीके शिबु सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

फर्जी बैनामा करके करोड़ों हड़पने वाले बिल्डर को एसटीएफ ने दबोचा, निदेशक की तलाश जारी

लखनऊ , एजेंसी। राजधानी लखनऊ में सोमवार को पुलिस व एसटीएफ की संयुक्त टीम ने लोगों से करोड़ों की ठगी करने वाले बिल्डर को गिरफ्तार किया है। इस पर मोहनलालगंज थाने में ठगी व जालसाजी के 30 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस के मुताबिक, इंफ्राविजन प्राइवेट लिमिटेड के मालिक प्रमोद कुमार उपाध्याय ने मोहनलालगंज इलाके में प्लाटिंग साइट व फर्जी नक्शा दिखाकर सेना, पुलिसकर्मियों व अन्य लोगों को झांसे में लिया। प्लाट के फर्जी बैनामे करके 30 से अधिक लोगों से छह करोड़ से अधिक की रकम हड़प ली।

प्लाट पर कब्जा व रकम वापस न मिलने पर 30 लोगों ने कंपनी के मालिक व निदेशक विनोद कुमार उपाध्याय के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया था। केस दर्ज होने के बाद फरार चल रहे प्रमोद पर पुलिस ने 25 हजार रुपये का ईनाम घोषित किया था। पुलिस व एसटीएफ कंपनी के मालिक की तलाश कर रही थी। सोमवार को मोहनलालगंज के कान्हा उपवन के पास से कंपनी के मालिक को गिरफ्तार कर लिया गया। निदेशक की तलाश जारी है।

भाजपा में अपराधियों की भरमार...

अखिलेश बोले- अपराध व भ्रष्टाचार चरम पर; अराजकता की गिरफ्त में यूपी

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी लखनऊ में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक बार फिर भाजपा को निशाने पर लिया। कहा कि भाजपा में अपराधियों की भरमार है। वह भू-माफिया को प्रश्रय देती है। भाजपा के लोग सरकारी और गरीबों की जमीनों पर जबरन कब्जा कर रहे हैं। भाजपा सरकार में यूपी अराजकता की गिरफ्त में है। अपराध और भ्रष्टाचार चरम पर है। शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली और कानून व्यवस्था बर्बाद हो चुकी है।

अखिलेश यादव रविवार को प्रदेश सपा मुख्यालय पर विभिन्न जिलों से आए कार्यकर्ताओं और नेताओं की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आरएसएस प्रमुख केंद्र सरकार को स्वदेशी अपनाने की बात क्यों नहीं करते हैं। आज देश का पूरा बाजार चीनी सामानों से पटा हुआ है। इसके लिए केंद्र की भाजपा सरकार जिम्मेदार है।

आर्थिक नीतियां पूरी तरह विफल- उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार हर मोर्चे पर फेल हो चुकी है। इसकी आर्थिक नीतियां पूरी तरह विफल हैं। केंद्र की 11 वर्ष और प्रदेश की नौ वर्ष की भाजपा सरकार में कोई उल्लेखनीय कार्य नहीं हुआ है। उत्तर प्रदेश में केंद्र और प्रदेश सरकार मिल कर अभी भी समाजवादी सरकार में किए गए विकास कार्यों का फीता काट रही हैं।

यूपी : महोबा में भीषण सड़क हादसा, कार से टकराई बाइक, 5 की मौत

✷एनसीआर टुडे. महोबा ✷

उत्तर प्रदेश के महोबा जिले में दर्दनाक सड़क दुर्घटना में 5 लोगों की मौत हो गई और 3 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा उस वक्त हुआ जब श्रीनगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत ननौरा गांव के पास एक तेज रफ्तार गाड़ी और बाइक में आमने-सामने की जबरदश्त भिड़ंत हो गई।

पुलिस के मुताबिक, बगरोन गांव निवासी कुश कुमार की पत्नी कंचन और अन्य परिजन गाड़ी में सवार थे। वो ननौरा गांव में एक पारिवारिक कार्यक्रम में आए थे। हालांकि गांव के पास जैसे ही गाड़ी एक मोड़ पर पहुंची, अचानक उसका टायर फट गया। इससे गाड़ी अनियंत्रित होकर सामने से आ रही बाइक से टकरा गई। इसके बाद दोनों वाहन एक गड्ढे में गिर गए। इस टक्कर में बाइक के परखच्चे उड़ गए और कार भी क्षतिग्रश्त हो गई।

हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय ग्रामीणों की भारी भीड़ मौके पर जुटी, जिन्होंने घायलों को बाहर निकाला। सूचना मिलने के बाद पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी घटनास्थल पर गए। हादसे में घायल सभी लोगों को अस्पताल ले जाया गया, जिनमें से 5 लोगों को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। मरने वालों में दो बाइक सवार शामिल हैं। फिलहाल 3 अन्य घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

एएसपी वंदना सिंह ने कहा, "पुलिस को ईको कार और बाइक में टक्कर की सूचना मिली थी। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी तुरंत मौके पर गए। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि हादसा इको कार का टायर फटने के कारण हुआ। हादसे में पांच लोगों की दर्दनाक मौत हुई है, जबकि तीन लोग घायल हैं। सभी घायलों का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।"

हरदोई में युवती ने पेट्रोल पंप कर्मचारी पर तानी रिवॉल्वर, मुकदमा दर्ज

✷एनसीआर टुडे. हरदोई ✷

उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले के बिलग्राम थाना क्षेत्र में एक सनसनीखेज घटना सामने आई, जब सीएनजी को लेकर हुए विवाद में एक युवती ने पेट्रोल पंप कर्मचारी पर रिवॉल्वर तान दी।

यह घटना बिलग्राम कस्बे से दो किलोमीटर दूर सांडी रोड स्थित एचपी पेट्रोल पंप की है। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसने लोगों में आक्रोश पैदा कर दिया। जानकारी के अनुसार, शाहाबाद निवासी एहसान खान अपनी पत्नी और बेटी के साथ पेट्रोल पंप पर सीएनजी डलवाने पहुंचे थे। पंप कर्मचारी ने सुरक्षा नियमों के तहत उन्हें गाड़ी से उतरने को कहा, क्योंकि सीएनजी भरते समय यह अनिवार्य है। इस बात पर एहसान खान का परिवार भड़क गया और कर्मचारी के साथ उनकी तीखी नोकझोंक शुरू हो गई।

विवाद इतना बढ़ गया कि एहसान खान की बेटी ने कार से रिवॉल्वर निकाली और कर्मचारी पर तानते हुए धमकी दी। इस घटना से पेट्रोल पंप पर मौजूद लोग शतब्ध रह गए।

मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। घटनास्थल पर पहुंची बिलग्राम थाना की पुलिस ने दोनों पक्षों को थाने बुलाया। पेट्रोल पंप कर्मचारी ने एहसान खान, उनकी पत्नी और बेटी के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई। थाना प्रभारी राकेश कुमार ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और जांच शुरू कर दी गई है।

उन्होंने कहा कि कर्मचारी ने सुरक्षा नियमों के अनुसार सही निर्देश दिए थे, जिसे लेकर यह विवाद हुआ।

सीओ बिलग्राम रविप्रकाश ने बताया कि यह घटना 15 जून को हुई। वायरल वीडियो में युवती को पेट्रोल पंप कर्मचारी को रिवॉल्वर दिखाकर धमकाते हुए देखा गया। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए लाइसेंसी रिवॉल्वर को जब्त कर लिया है। शिकायत के आधार पर अभियोग दर्ज किया गया है और आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। उन्होंने कहा कि मामले में सभी जरूरी कानूनी कदम उठाए जा रहे हैं।

हृदय रोगी बैग में रखेंगे डिवाइस, करेगी दिल का काम, प्रदेश में पहली बार मरीजों के लगाई जाएगी एलवीएडी

कानपुर , एजेंसी। दिल की कमजोर मांसपेशियों वाले कार्डियोमायोपैथी के जिन रोगियों में दवा काम नहीं कर रही, उनके लिए अच्छी खबर है। एलपीएस कार्डियोलॉजी इंस्टीट्यूट में उन्हें लेफ्टवेंट्रिकल असिस्टेड डिवाइस (एलवीएडी) लगाई जाएगी। यह उपकरण दिल का काम करेगा। उपकरण रोगी के कंधे पर टंगे बैग में रहेगा और इसके दो पाइप हृदय में जोड़े जाएंगे। इससे हृदय में रक्त आपूर्ति बनी रहेगी और ब्लड प्रेशर भी सामान्य रहेगा। इस उपकरण का बैटरी बैकअप 48 घंटे का है। इसमें दो बैटरी रहेंगी।

कार्डियोलॉजी इंस्टीट्यूट की ओपीडी में कार्डियोमायोपैथी के औसत साढ़े तीन हजार रोगी हर महीने आते हैं। इनकी दिल की मांसपेशियां इतनी कमजोर होती हैं कि खून ढंग से पंप नहीं कर पातीं और वे हार्ट फेल की स्थिति में चले जाते हैं। बहुत से कार्डियोमायोपैथी के रोगी अस्पताल तक पहुंचने के पहले ही मर जाते हैं। इस मर्ज में एक सीमा के बाद दवाओं का असर कम होने लगता है। आखिर में हृदय प्रत्यारोपण विकल्प बचता है, जिसकी सुविधा उपलब्ध नहीं है। इंस्टीट्यूट के निदेशक

प्रोफेसर राकेश कुमार वर्मा ने बताया कि एलवीएडी लगाए जाने की सुविधा तीन महीने के अंदर संस्थान में मिलने लगेगी। इंस्टीट्यूट में रोगियों को उपकरण की व्यवस्था कराई जाएगी। अभी यह सुविधा एम्स दिल्ली में रोगियों को दी जा रही है। प्रदेश में इसकी शुरुआत कार्डियोलॉजी से होगी। प्रदेश के अन्य संस्थानों में इसकी सुविधा अभी उपलब्ध नहीं है। उन्होंने बताया कि एलवीएडी शरीर रोगी के शरीर के बाहर रहता है। इससे जुड़े दो पाइप रोगी के हृदय में जोड़ दिए जाते हैं। इससे शरीर में रक्त की आपूर्ति बनी रहती है। रोगी को बैटरी चार्ज करनी पड़ती है। बैक अप में एक बैटरी और रहती है। बैटरी 48 घंटे तक काम कर सकती है।

एलएवीडी ऐसे करती है काम

एलवीडी में दो पाइप होते हैं। एक हृदय के लेफ्ट वेंट्रिकल से जुड़ा होता है और दूसरा एओटा से। लेफ्ट वेंट्रिकल का काम प्रेशर से आक्सीजनयुक्त खून एओटा को पहुंचना होता है। यही खून शरीर के अन्य अंगों में जाता है। मांसपेशियां कमजोर होने से लेफ्ट वेंट्रिकल में प्रेशर के साथ पंपिंग नहीं हो पाती, जिससे खून आगे एओटा तक पहुंचने में मुश्किल होती है। एलवीडी का एक पाइप लेफ्ट वेंट्रिकल से खून लेता और दूसरा पाइप उसे एओटा तक पहुंचा देता है। इससे हृदय काम करता रहता है।

हृदय के कमजोर मांसपेशियों वाले रोगियों की बढ़ रही संख्या

निदेशक प्रोफेसर वर्मा ने बताया कि लंबे समय तक दवा खाने से हृदय की मांसपेशियां कमजोर हो जाती हैं। इसके अलावा नसों में खराबी आने, हृदय के वाल्व प्रभावित होने समेत कार्डियो मायोपैथी होने के कई कारण हैं। इसके रोगी बढ़ रहे हैं।

दो बच्चों की मां

मारिया बनी क्वींस क्लब टेनिस चैंपियन

लंदन, एजेंसी। स्वप्निल शशांक विंबलडन के सेमीफाइनल में प्रवेश कर चुकीं विश्व नंबर 86 मारिया का इस टूर्नामेंट में प्रदर्शन शानदार रहा है। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में पूर्व विंबलडन विजेता चौथी वरीय एलीना रिबाकीना, तीसरे दौर में छठी वरीय कैरोलिन मुचोवा को पराजित किया।

दो बच्चों की मां और बतौर क्वालिफायर टूर्नामेंट में खेलने वाली जर्मनी की 37 वर्षीय तात्याना मारिया ने प्रेरणा दायक प्रदर्शन करते हुए क्वींस क्लब टेनिस टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया।

उन्होंने फाइनल में अमेरिका की अमांडा एनिसिमोवा को 6-3, 6-4 से पराजित किया। उन्होंने सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलियाई ओपन विजेता अमेरिका की मेडिसन कीज को 6-3, 7-6 से हराया था। मारिया बीते पांच वर्ष में किसी टूर्नामेंट का खिताब जीतने वाली सबसे उम्रदराज खिलाड़ी हैं। इससे पहले 2020 में सेरेना विलियम्स ने 38 वर्ष की उम्र में ऑकलैंड क्लासिक का खिताब जीता था। विंबलडन के सेमीफाइनल में प्रवेश कर चुकीं विश्व नंबर 86 मारिया का इस टूर्नामेंट में प्रदर्शन शानदार रहा है। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में पूर्व विंबलडन विजेता चौथी वरीय एलीना रिबाकीना, तीसरे दौर में छठी वरीय कैरोलिन मुचोवा को पराजित किय

मारिया ने कहा कि वह इस खेल से प्यार करती हैं। वह इन क्षणों के लिए ही जी रही हैं। एनिसिमोवा ने कहा कि उनका परिवार बहुत प्यारा है। वह उनके बच्चों को हर जगह आते देखती हैं।

खेल और सचिन के सहारे दंतेवाड़ा से दूर होगा नक्सलवाद, नक्सल प्रभावित क्षेत्र में बनेंगे 50 खेल मैदान

नई दिल्ली, एजेंसी। स्वप्निल शशांक दुदावत के मुताबिक 13 विभिन्न खेलों की सुविधाओं के साथ 20 खेल के मैदान विकसित किए गए हैं जिनमें रनिंग ट्रैक, गोला फेंक, भाला फेंक, चक्का फेंक, लंबी कूद, वॉल क्लाइंबिंग शामिल हैं। महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर के फाउंडेशन और स्थानीय प्रशासन ने मिलकर ऐसी अनोखी पहले शुरू की है, जिससे छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा पर लगा नक्सलवाद प्रभावित क्षेत्र का ठप्पा जल्द बीते दिनों की बात होगी। स्थानीय प्रशासन ने सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन और मान देशी फाउंडेशन के साथ मिलकर मैदान कप की शुरुआत की है। इसके तहत दंतेवाड़ा में खेल संस्कृति और प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के लिए 50 खेल के मैदान विकसित किए जाएंगे। दंतेवाड़ा के कलेक्टर कुणाल दुदावत के मुताबिक इस परियोजना के तहत सामुदायिक भागीदारी से अब तक जिले में कम से कम 20 खेल के मैदान विकसित किए गए हैं और अक्टूबर तक 50 मैदान के लक्ष्य को हासिल कर लिया जाएगा। बीते वर्ष राज्य सरकार ने बस्तर क्षेत्र के दंतेवाड़ा और छह अन्य जिलों की खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के लिए बस्तर ओलंपिक 2024 का आयोजन किया था। दुदावत ने बताया कि इसका उद्देश्य नक्सल प्रभावित और संवेदनशील जिलों की खेल प्रतिभाओं को खेलों के माध्यम से दुनिया से जोड़ना था। उन्होंने कहा, इसी तर्ज पर हमने सचिन फाउंडेशन और मान देशी फाउंडेशन के सहयोग से युवाओं को खेल के मैदान उपलब्ध कराने के लिए मैदान कप शुरू करने का फैसला किया। दुदावत ने बताया कि पहले चरण में 50 गांवों में मैदान विकसित किए जाएंगे।

वीवीएस लक्ष्मण नहीं तो कौन? टीम इंडिया के हेड कोच पर चौंकाने वाला खुलासा, सामने आया पूरा सच

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज वीवीएस लक्ष्मण इन दिनों इंग्लैंड में मौजूद हैं, जो चर्चा का विषय बना हुआ है. दरअसल, टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर टेस्ट सीरीज के शुरू होने से पहले अपने घर वापस लौट आए हैं. उनकी मां नई दिल्ली के अस्पताल में भर्ती हैं. ऐसे में कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि वीवीएस लक्ष्मण को बतौर हेड कोच टीम इंडिया के साथ जुड़ा जा सकता है. लेकिन अभी तक कोई आधिकारिक ऐलान नहीं किया गया है. यह खबर क्रिकेट प्रेमियों के बीच चर्चा का विषय बन गई है. लेकिन वीवीएस लक्ष्मण को लेकर अब एक बड़ा अपडेट सामने आया है. एक रिपोर्ट के मुताबिक, वीवीएस लक्ष्मण इंग्लैंड में हैं, लेकिन भारतीय टीम के आगामी इंग्लैंड दौरे के लिए उनकी कोई औपचारिक नियुक्ति नहीं हुई है. हालांकि यह साफ नहीं है कि लक्ष्मण इंग्लैंड में किस उद्देश्य से गए हैं, लेकिन माना जा रहा है कि यह उनकी व्यक्तिगत यात्रा या क्रिकेट से संबंधित किसी दूसरी गतिविधि से जुड़ा हो सकता है. लक्ष्मण, जो वर्तमान में नेशनल क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के हेड हैं, वह कई बार टीम इंडिया के अंतरिम कोच के रूप में काम कर चुके हैं, लेकिन इस बार ऐसा मुश्किल माना जा रहा है. बीसीसीआई के एक सूत्र ने क्रिकबज को बताया, 'लक्ष्मण किसी अन्य उद्देश्य से इंग्लैंड गए हैं, भारतीय टीम के साथ किसी असाइनमेंट पर नहीं. वह लुसाने से लंदन गए हैं. एक दूसरे सूत्र ने कहा, 'लक्ष्य इंग्लैंड में जीतना है, और हो सकता है कि उन्होंने यहां मौजूद कोचों और चयनकर्ताओं से बात की हो, और शायद इंट्रा-स्क्वॉड गेम में भी शामिल हुए हों. लिए रुके. यह हमेशा उनकी योजना का हिस्सा था.'

गौतम गंभीर की जल्द होगी वापसी

दोनों टीमों के बीच इस सीरीज का पहला टेस्ट 20 जून से लीड्स में खेला जाएगा. क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक, गंभीर इस मुकाबले से पहले इंग्लैंड लौट सकते हैं. गंभीर के एक करीबी सूत्र ने क्रिकबज को बताया, 'वह निश्चित रूप से पहले टेस्ट से पहले टीम से जुड़ जाएंगे. उन्होंने अपनी मां की हालत के बारे में डॉक्टरों से सलाह ली है. उनकी हालत में सुधार हुआ है, हालांकि वह अभी भी आईसीयू में हैं. लेकिन वह जल्द ही वापसी की योजना बनाएंगे.'

लुईस-होप के बीच 122 रन की साझेदारी, वेस्टइंडीज ने आयरलैंड से जीती टी20 श्रृंखला

ब्रेडी (उत्तरी आयरलैंड), एजेंसी। वेस्टइंडीज ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना दूसरा सर्वोच्च स्कोर बनाया और आयरलैंड को 62 रन से हराकर बारिश से प्रभावित तीन मैचों की श्रृंखला 1-0 से जीती। वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए एविन लुईस (44 गेंदों में 91 रन) और कप्तान शाई होप (27 गेंदों में 51 रन) के बीच पहले विकेट के लिए 10.3 ओवर में 122 रन की साझेदारी की मदद से पांच विकेट पर 256 रन बनाए। वेस्टइंडीज ने कुल 20 छक्के लगाए। लुईस ने आठ जबकि होप और कीसी कार्टी ने चार-चार छक्के लगाए। कार्टी ने 22 गेंदों पर नाबाद 49 रन का योगदान दिया। आयरलैंड इसके जवाब में सात विकेट पर 194 रन ही बना पाया। उसकी तरफ से रॉस अडायर (36 गेंदों में 48 रन) और हैरी टेक्टर (25 गेंदों में 38 रन) ने दूसरे विकेट के लिए 101 रन की साझेदारी की।

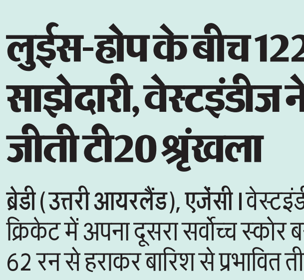

महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 का पूरा शेड्यूल जारी

भारत-पाकिस्तान के बीच 05 अक्टूबर को होगा मुकाबला

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 का शेड्यूल जारी कर दिया गया है। महिला विश्व कप 30 सितंबर से शुरू होगा जिसमें मेजबान भारत श्रीलंका से पहला मुकाबला बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेलेगा।

आठ टीमों का यह टूर्नामेंट राउंड-रॉबिन प्रारूप का होगा जिसमें शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। बहुप्रतीक्षित फाइनल 2 नवंबर खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया अपना अभियान 1 अक्टूबर को इंदौर के होलकर क्रिकेट स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरू करेगा।

भारत पाकिस्तान मैच

भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव के कारण पाकिस्तान अपने सभी मैच कोलंबो, श्रीलंका में खेलेगा जो बीसीसीआई और पीसीबी द्वारा सहमत हाइब्रिड होस्टिंग मॉडल के तहत होगा। ऐसे में भारत सहित पाकिस्तान के साथ खेलने वाली टीमें कोलंबो जाएंगी, जो एक तटस्थ स्थल है। कोलंबो में 5 अक्टूबर को भारत और पाकिस्तान के बीच ग्रुप स्टेज का सबसे प्रतीक्षित मुकाबला 5 अक्टूबर को खेला जाएगा।

टूर्नामेंट दो देशों के पांच प्रमुख स्थानों पर आयोजित किया जाएगा

भारत- बेंगलुरु, गुवाहाटी, इंदौर, विशाखापत्तनम

श्रीलंका-कोलंबो

बेंगलुरु और कोलंबो को फाइनल के लिए संभावित मेजबान के रूप में भी चुना गया है।

(सभी मैच दोपहर 3 बजे)

मंगलवार, 30 सितंबर - भारत बनाम श्रीलंका - बेंगलुरु

बुधवार, 1 अक्टूबर - ऑस्ट्रेलिया बनाम न्यूजीलैंड - इंदौर

गुरुवार, 2 अक्टूबर - बांग्लादेश बनाम पाकिस्तान - कोलंबो

शुक्रवार, 3 अक्टूबर - इंग्लैंड बनाम दक्षिण अफ्रीका - बेंगलुरु

शनिवार, 4 अक्टूबर - ऑस्ट्रेलिया बनाम श्रीलंका - कोलंबो

रविवार, 5 अक्टूबर - भारत बनाम पाकिस्तान - कोलंबो

सोमवार, 6 अक्टूबर - न्यूजीलैंड बनाम दक्षिण अफ्रीका - इंदौर

मंगलवार, 7 अक्टूबर - इंग्लैंड बनाम बांग्लादेश - गुवाहाटी

बुधवार, 8 अक्टूबर - ऑस्ट्रेलिया बनाम पाकिस्तान - कोलंबो

गुरुवार, 9 अक्टूबर - भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका - विजाग

शुक्रवार, 10 अक्टूबर - न्यूजीलैंड बनाम बांग्लादेश - विजाग

शनिवार, 11 अक्टूबर - इंग्लैंड बनाम श्रीलंका - गुवाहाटी

रविवार, 12 अक्टूबर - भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया - विजाग

सोमवार, 13 अक्टूबर - दक्षिण अफ्रीका बनाम बांग्लादेश - विजाग

मंगलवार, 14 अक्टूबर - न्यूजीलैंड बनाम श्रीलंका - कोलंबो

बुधवार, 15 अक्टूबर - इंग्लैंड बनाम पाकिस्तान - कोलंबो

गुरुवार, 16 अक्टूबर - ऑस्ट्रेलिया बनाम बांग्लादेश - विजाग

शुक्रवार, 17 अक्टूबर - दक्षिण अफ्रीका बनाम श्रीलंका - कोलंबो

शनिवार, 18 अक्टूबर - न्यूजीलैंड बनाम पाकिस्तान - कोलंबो

रविवार, 19 अक्टूबर- भारत बनाम इंग्लैंड - इंदौर

सोमवार, 20 अक्टूबर - श्रीलंका बनाम बांग्लादेश - कोलंबो

मंगलवार, 21 अक्टूबर - दक्षिण अफ्रीका बनाम पाकिस्तान - कोलंबो

बुधवार, 22 अक्टूबर - ऑस्ट्रेलिया बनाम इंग्लैंड - इंदौर

गुरुवार, 23 अक्टूबर - भारत बनाम न्यूजीलैंड - गुवाहाटी

शुक्रवार, 24 अक्टूबर - पाकिस्तान बनाम श्रीलंका - कोलंबो

शनिवार, 25 अक्टूबर - ऑस्ट्रेलिया बनाम श्रीलंका - इंदौर

रविवार, 26 अक्टूबर - इंग्लैंड बनाम न्यूजीलैंड - गुवाहाटी

रविवार, 26 अक्टूबर - भारत बनाम बांग्लादेश - बेंगलुरु

बुधवार, 29 अक्टूबर - सेमीफाइनल 1 - गुवाहाटी/कोलंबो

गुरुवार, 30 अक्टूबर - सेमीफाइनल 2 - बेंगलुरु

रविवार, 2 नवंबर - फाइनल - कोलंबो/बेंगलुरु

'प्रमुख भारतीय क्रिकेटर ने मुझे संन्यास लेने को कहा', करुण नायर के खुलासे ने मचाई सनसनी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिग्गज रोहित शर्मा और विराट कोहली के रिटायरमेंट के बाद इंग्लैंड दौरे पर भारतीय टेस्ट टीम में करुण नायर की 7 साल बाद वापसी हुई। भारत-इंग्लैंड के बीच पहले टेस्ट मैच से पहले करुण नायर ने सनसनीखेज खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि भारत के एक प्रमुख क्रिकेटर ने उन्हें संन्यास लेने की सलाह दी थी। 2022 के घरेलू सत्र के बाद नायर को कर्नाटक ने सभी प्रारूपों से बाहर कर दिया। दाएं हाथ के बल्लेबाज ने नॉर्थम्पटनशायर के साथ काउंटी चैंपियनशिप अनुबंध से वापसी करने से पहले लगभग 14 महीने तक कोई प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला। नायर ने खुलासा किया कि इस दौरान एक प्रमुख भारतीय क्रिकेटर ने उन्हें सलाह दी कि टी20 लीग पर ध्यान केंद्रित करने के लिए संन्यास लेने से उन्हें फाइनेंसियल सिक्योरिटी मिलेगी। नायर ने डेली मेल को दिए इंटरव्यू में बताया, मुझे अभी भी याद है कि एक प्रमुख भारतीय क्रिकेटर ने मुझे फोन करके कहा था कि तुम्हें संन्यास ले लेना चाहिए क्योंकि इन लीग में मिलने वाला पैसा मुझे सुरक्षित रखेगा। ऐसा करना आसान होता, लेकिन मुझे पता था कि पैसे की परवाह किए बिना, मैं इतनी आसानी से हार मानने के लिए खुद को कोसता। मैं फिर से भारत के लिए खेलने की कोशिश कभी नहीं छोड़ता। यह सिर्फ दो साल पहले की बात है और देखिए हम अब कहां हैं। यह पागलपन है, लेकिन अंदर से मुझे पता था कि मैं काफी बेहतर हूं।

हाल ही में कैंटरबरी में इंग्लैंड लायंस के खिलाफ इंडिया ए के मैच में शानदार प्रदर्शन करने के बाद नायर ने फिर से भारतीय टेस्ट टीम की प्लेइंग 11 में जगह बनाने के लिए अपना दावा मजबूत कर लिया है।

5वां केयर्न्स कप शतरंज

फिर जीती हंपी और हरिका, सयुंक्त बढ़त बनाई

सेंट लुइस,यूएसए, एजेंसी। में चल रही दुनिया की सबसे मज़बूत महिला प्रतियोगिताओं में से एक केयर्न्स कप के चौंथे राउंड में भारत की दोनों महिला खिलाड़ी विश्व रैपिड चैम्पियन कोनेरु हम्पी और हरिका द्रोणावल्ली नें एक बार फिर से जीत दर्ज करते हुए खुद को पुनः सयुंक्त बढ़त में शामिल कर लिया है ।

हम्पी नें सफ़ेद मोहरो से खेलते हुए कजक्सितान की बीबीसारा के खिलाफ सेमी स्लाव ओपनिंग में शुरुआत से दबाव बनाया और मात्र 35 चालों में अपनी जीत सुनिश्चित की । इस जीत के साथ हम्पी लाइव रैंकिंग में एक बार फिर 2550 के पार पहुँच गयी है । हरिका द्रोणावल्ली की दूसरी जीत जॉर्जिया की नंबर एक खिलाड़ी नाना दगनिडजे के खिलाफ आई और उन्होने काले मोहरो से खेलते हुए कुई पान ओपनिंग में हाथी और ऊंट के एंडगेम में 47 चालों में जीत दर्ज की ।

वहीं उक्रेन की मारिया मुजयचूक नें आखिरकार अपनी पहली जीत दर्ज की , सफ़ेद मोहरो से खेलते हुए उन्होने यूएसए की यिप करिसा को पराजित किया , अन्य दो मुकाबलों में पोलैंड की अलिना कश्लिंस्कया नें जॉर्जिया की नीनों बत्स्श्वली से और लगातार दो जीत से शुरुआत करने वाली यूएसए की ली एलिस नें चीन की तान ज़्होंगाई से ड्रॉ खेला ।

बड़े-बड़े क्रिकेटरों से नहीं, तमिलनाडु के अपने साथी खिलाड़ी प्रेरित हैं साई सुदर्शन

बेकेनहैम (यूके), एजेंसी। लीड्स में इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट से पूर्व भारत के उभरते हुए बल्लेबाज साई सुदर्शन ने बताया कि कैसे तमिलनाडु के ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर उनके लिए प्रेरणा रहे हैं जिन्होंने उन्हें आगे बढ़ने और भारतीय टीम की जर्सी पहनने के लिए प्रेरित किया। 20 जून से लीड्स में इंग्लैंड के खिलाफ पहला टेस्ट 23 वर्षीय सुदर्शन के टेस्ट करियर की शुरुआत कर सकता है जिन्होंने अब तक तीन वनडे और एक टी20आई में भारत का प्रतिनिधित्व किया है, जिसमें दक्षिण अफ्रीका में दो वनडे अर्धशतक शामिल हैं।

हाल ही में उन्होंने गुजरात टाइटन्स के लिए इंडियन प्रीमियर लीग के दौरान सबसे अधिक रनों के लिए ऑरेंज कैप और इमर्जिंग प्लेयर का पुरस्कार जीता जिसमें उन्होंने 16 पारियों में एक शतक और छह अर्धशतकों के साथ 759 रन बनाए। सुदर्शन घरेलू क्रिकेट में सुंदर से जूनियर हैं, इस ऑलराउंडर ने 2016 में 17 साल की उम्र में अपना प्रथम श्रेणी डेब्यू किया था। सुदर्शन ने छह साल बाद 21 साल की उम्र में डेब्यू किया। आईपीएल स्टार बनने से पहले सुदर्शन ने तमिलनाडु प्रीमियर लीग में शानदार प्रदर्शन किया, जहां वह 30 पारियों में 56.65 की औसत, एक शतक और 13 अर्द्धशतक के साथ 1,303 रन बनाकर शीर्ष रन बनाने वालों में 10वें नंबर पर हैं।

2017 में एक किशोर के रूप में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने वाले और 2021 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शानदार ब्रिस्बेन टेस्ट के दौरान टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने वाले सुंदर को आदर्श मानने के बारे में बात करते हुए सुदर्शन ने कहा कि 25 वर्षीय सुंदर की त्वरित प्रगति ने उनके लिए प्रेरणा और प्रेरक का काम किया। आधिकारिक वेबसाइट पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में सुदर्शन ने कहा, जब मैं छोटा था, तब से ही वह मेरी प्रेरणा रहे हैं।

मैंने उनके खिलाफ कुछ मैच खेले हैं, इसलिए यह हमेशा खास होता है। ईमानदारी से कहूं तो हमने उनसे बहुत प्रेरणा ली है। मैंने एक या दो बार (सुंदर के खिलाफ) अभ्यास किया है, जिस तरह से वह आगे बढ़े और जिस तरह से उन्होंने देश के लिए खेला, वह वाकई बहुत तेज था, इसलिए मैंने इसे अपने दिमाग में रखा। उन्होंने आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन किया और फिर देश के लिए खेले। इसलिए चेन्नई से यह मेरे लिए एक बहुत बड़ी प्रेरणा थी। जब मैं छोटा था, तब से उन्हें जानता हूं, उनके साथ खेलता हूं, यह एक तरह से प्रेरणादायक है। इससे मुझे लगा कि मैं भी उसी तरह से चीजें करना चाहता हूं।

सुंदर भी पिछले कुछ वर्षों में युवा खिलाड़ी के विकास पर बेहद गर्व करते हैं, उनका कहना है कि उन्होंने चेन्नई में पहले से ही बहुत से बच्चों को प्रेरित किया है। सुंदर ने कहा, मैंने उन्हें टीवी पर देखा है। उनसे बहुत कुछ सीखा जा सकता है, उनके पास जो कौशल और कार्य नीति है। उन्होंने चेन्नई में बहुत से बच्चों को प्रेरित किया है और मुझे उम्मीद है कि वह दुनिया भर के बच्चों को प्रेरित करना जारी रखेंगे। उन्होंने मुझे इसके बारे में कई बार बताया है। मेरे कई दोस्तों और कोचों ने भी उनके विकास के बारे में बात की है। पिछले तीन या चार सालों में ही उनका विकास हुआ है और हर साल वे बेहतर होते जा रहे हैं।

इंडिया-इंग्लैंड: यशस्वी जायसवाल के पास इतिहास रचने का मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के स्टार बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराने और वीरेंद्र सहवाग और राहुल द्रविड़ जैसे दिग्गजों को पीछे छोड़ने के कगार पर हैं। टेस्ट क्रिकेट में 2023 में डेब्यू के बाद से ही यह युवा खिलाड़ी ने अपनी छाप छोड़ी है। उन्हें पहले से ही दुनिया के बेहतरीन युवा खिलाड़ियों में गिना जाता है। बाएं हाथ का यह बल्लेबाज रिकॉर्ड बुक में अपना नाम और दर्ज करा सकता है। उसके पास टेस्ट में सबसे तेज 2000 रन बनाने वाले भारतीय बनने का सुनहरा मौका है।

जायसवाल ने 52.88 के औसत से 1798 रन बनाए

जायसवाल ने फिलहाल 19 मैच की 36 पारियों में 52.88 के औसत से 1798 रन बनाए हैं। इसमें उनके नाम चार शतक और दस अर्द्धशतक हैं।

अगर वह अगली तीन पारियों में 2000 रन का आंकड़ा पूरा करने में सफल हो जाते हैं, तो वह टेस्ट में भारत के लिए सबसे तेज 2000 रन बनाने के मामले में राहुल द्रविड़ और वीरेंद्र सहवाग को पीछे छोड़ सकते हैं। द्रविड़ और सहवाग दोनों ने 40 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की थी। ऐसे में जायसवाल के पास इंग्लैंड में आगामी सीरीज में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने का शानदार मौका होगा।

ये है विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 का शेड्यूल

इंग्लैंड में ओपनिंग करने की चुनौती आसान नहीं

यशस्वी जायसवाल के लिए इंग्लैंड की परिस्थितियों में ओपनिंग करने की चुनौती आसान नहीं होगी। दौरे की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही। इंग्लैंड लायंस के खिलाफ अभ्यास मैच में चार पारियों में उन्होंने सिर्फ एक अर्धशतक बनाया।

जायसवाल के साथ केएल राहुल पारी की शुरुआत कर सकते हैं, जिन्होंने दौरे की शुरुआत इंग्लैंड लायंस के खिलाफ शतक के साथ की थी और इंट्रा-स्क्वाड मैच में भी अर्धशतक बनाया था।

विदेशी में जायसवाल का प्रदर्शन अच्छा

विदेशी में जायसवाल का प्रदर्शन अच्छा रहा है। वह बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 में 10 पारियों में 43.44 की औसत से 1 शतक और 2 अर्द्धशतक की मदद से 391 रन बनाकर दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे। भारतीय टीम उम्मीद करेगी कि वह अपना फॉर्म जारी रखें और इंग्लैंड में अच्छा प्रदर्शन करें।